राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 194 पटना (बिहार) शुक्रवार,16 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

मोतिहारी में खाना बनाने के दौरान लगी आग, तीन सगी बहनों की जलकर मौत

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर:मोतिहारी में खाना बनाने के दौरान आग लगने से तीन बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई है। तीनों मृतक सगी बहनें थीं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बता दें कि पूरी घटना जिले के दरपा थाना क्षेत्र के नरकटिया गांव की है। खाना बनाने के दौरान एक घर में आग लगने से तीन बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद कोहराम मच गया। मृतक तीनों सगी बहने हैं, जो अपनी मां के साथ ममहर आए थे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, कुछ दिन पहले रामबाबू साह की पत्नी ममता अपने तीनों बच्चों को लेकर अपने मायके आई थी। ग्रामीणों के अनुसार, खाना बनाने के दौरान चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई। तेज हवा के कारण देखते ही देखते ही पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आग बेकाबू हो गई। अगलगी में घर में मौजूद तीनों बच्चियां फंस गई। घटना में आधा दर्जन से ज्यादा मवेशी भी जलकर मर गए हैं। टस्थानीय लोगों की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों मृत बच्चियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा और उचित सहायता देने की मांग की है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। हृदय विदारक घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। घटना की जानकारी के बाद स्थानीय अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने घटना का जायजा लिया।

महुआ विधायक मुकेश रोशन की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, अस्पताल में भर्ती

क्राइम संवाददाता द्वारा

वैशाली: हाजीपुर में महात्मा गांधी सेतु के पास एक अनियंत्रित वाहन ने महुआ विधायक मुकेश रोशन की गाड़ी को टक्कर मार दी. इस हादसे में महुआ विधायक घायल हो गए. दुर्घटना में घायल मुकेश रोशन को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है. घटना महात्मा गांधी सेतु पाया नंबर 30 के पास हुई. जिससे अफरा तफरी का माहौल हो गया. महुआ विधायक घायलः विधायक को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. उनके पीठ में चोट लगी है. फिलहाल खतरा से बाहर हैं. मिली जानकारी के अनुसार मुकेश रौशन पटना से हाजीपुर आ रहे थे इसी दौरान एक अनियंत्रित कार ने विधायक के गाड़ी में ठोकर मार दी. घटना की जानकारी स्थानीय थाना की पुलिस को दी गई. ₹पटना से गाजीपुर आ रहे थे इसी दौरान महात्मा गांधी सेतु पर कार ने टक्कर मार दिया. जिससे वह घायल हो गए. पीठ में चोट लगी है. - मुकेश रोशन, महुआ विधायक कार चालक हिरासत में: घटना की जानकारी गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी को दी गई. सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचकर कार को जब्त कर एवं चालक को हिरासत में लेकर थाना भेज दिया. चालक से पूछताछ की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार मुकेश रौशन पटना से हाजीपुर किसी मीटिंग में शामिल होने के लिए आ रहे थे. महुआ विधायक के सड़क हादसे में घायल होने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर कार को जब्त कर थाने पर लाकर चालक से पूछताछ की जा रही है. पूछताछ के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

बिहार की धोखेबाज सरकार ने दलित छात्रों से बात करने से रोका :राहुल गांधी

ब्यूरो

दरभंगा : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बिहार के एक दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान वे दरभंगा में प्रशासन की इजाजत के बिना छात्रावास पहुंचे और 12 मिनट तक छात्रों को मंच से संबोधित किया। इसके बाद पटना में 400 सामाजिक कार्यकताओं के साथ ह्यफुलेह्ळ मूवी देखी। मूवी देखने के बाद शाम 5.30 बजे राहुल गांधी पटना से दिल्ली के रवाना हो गए। इसके पहले उन्होंने दरभंगा में कहा कि पीएम मोदी ने डरकर जातीय जनगणना करवाने का ऐलान किया है। लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा। आपके दबाव से पीएम ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया। अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए एक बार फिर आरक्षण को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ह्यमैंने वहां (कॉलेज के छात्रावास में) जाति जनगणना के बारे में बात की और यह भी कहा कि जो कानून है, निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण का, उस कानून को लागू किया जाना चाहिए। साथ ही, आरक्षण में 50% की दीवार तोड़ी जानी चाहिए। ये हमारी मांगें हैं और हम इन्हें पूरा करेंगे। अपने खिलाफ दर्ज किए गए मामले पर उन्होंने कहा, ह्यमेरे खिलाफ 30-32 मामले दर्ज हैं, ये सब मेडल हैं ह्ळ दरअसल, जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने बावजूद राहुल गांधी गुरुवार को दरभंगा के अंबेडकर छात्रावास पहुंचे थे। वे छात्रों से संवाद तो नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने मंच से छात्रों को संबोधित किया। ठरवकके ह्यशिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रमह्ळ में शामिल होने पहुंचे राहुल का संबोधन महज 12 मिनट में खत्म हो गया। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर की तस्वीर भी लहराई। इसे लेकर दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रौशन ने कहा है कि उफ्ढउ की धारा 163 का उल्लंघन करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले दरभंगा में छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ह्ळ24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होनी चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोगङ्घजीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो। मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है। उन्होंने कहा,

ह्यआपको इधर-उधर की बात सुनाकर ध्यान भटका दिया जाता है। लेकिन आपको एक साथ खड़ा होना है। बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की, लेकिन वे मुझे नहीं रोक पाई, क्योंकि आप सभी की शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए दुनिया की कोई शक्ति नहीं रोक पाएगी ह्ळ इस दौरान राहुल गांधी ने 3 मांगे भी कीं। उन्होंने कहा, ह्यदेश में सही से जातीय जनगणना हो। प्राइवेट यूनिवर्सिटी में दलित, ओबीसी और आदिवासी को आरक्षण का लाभ मिले और दलितों एवं आदिवासियों को उनके हक का पैसा मिले। कांग्रेस की चेतावनी :राहुल गांधी के दरभंगा में कार्यक्रम रोकने पर कांग्रेस ने बिहार की एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि अब क्या दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग के छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है? क्या उनकी शिक्षा, उनकी भर्ती परीक्षा और नौकरियों के बारे में उनसे बातचीत करना कोई पाप है? जेडीयू-भाजपा सरकार के बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। लोकतंत्र की जन्मस्थली, बिहार इस अन्याय को याद रखेगी और समय आने पर जेडीयू-भाजपा को इसका उचित जवाब भी देगी। राहुल गांधी ने रखी तीन मांगे :सही तरीके से देशभर में जातीय जनगणना कराई जाए, जैसे तेलंगाना में की गई है। इसके अलावा, उन्होंने निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की जाए। दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन आपको दबाकर, डराकर रोका जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी की बात करते हुए कहा कि उनमें इनकी संख्या शून्य है। जातीय जनगणना और आरक्षण व्यवस्था :उन्होंने लोगों से एक साथ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी जातीय जनगणना और निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था की मांग है। राहुल गांधी ने कहा,

अरे बाप रे बाप, बिहार में तो एक करोड़ से अधिक लोगों के पास घर नहीं, मंत्री ने खुद किया खुलासा

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में एक करोड़ से अधिक परिवार के पास अपना घर नहीं है, यानी बेघर हैं. ग्रामीण विकास विभाग की बन रही नई सूची में यह खुलासा हुआ है. ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के अनुसार एक करोड़ से अधिक लोगों ने आवेदन दिया है. यानी एक करोड़ से अधिक परिवार बिहार में अभी बेघर हैं. 30 प्रतिशत आबादी बेघर ! : एक करोड़ से अधिक परिवार का मतलब 4 से 5 करोड़ लोग. दूसरे शब्दों में कहें तो बिहार की कुल आबादी के 30% के आसपास लोग बेघर हैं. इन सबको प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराना न केवल बिहार सरकार बल्कि केंद्र सरकार के लिए भी बड़ा चैलेंज होने वाला है. "भारत सरकार के निर्देश पर अब हम लोग नई सूची भी तैयार कर रहे हैं. 15 मई तक सूची में नाम शामिल करने का समय था. एक करोड़ से अधिक परिवार के पास नई सूची में घर नहीं है. वैसे इस सूची की जांच पड़ताल होगी और उसके बाद फाइनल सूची भारत सरकार को भेजी जाएगी."- श्रवण कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री, बिहार श्रवण कुमार ने कहा कि इस बार भारत सरकार की ओर से लोगों को ऑनलाइन भी सूची में नाम जोड़ने की सुविधा दी गई थी. ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों ने इस सूची में नाम शामिल कराया है. अब जांच पड़ताल के बाद ही सही सूची तैयार हो पाएगी. फिर भारत सरकार को हम लोग भेजेंगे. जैसे-जैसे भारत सरकार स्वीकृति देगी उस पर काम करेंगे. श्रवण कुमार ने ईटीवी भारत से खास बातचीत में कहा कि डबल इंजन की सरकार में अब पुराना बैकलॉग नहीं बचा है. 2011 में जो सूची बनाई गई थी वह 2018 में समाप्त हो गयी. 2018 में फिर से हम लोगों ने सूची तैयार किया उसमें 30 लाख लोगों के पास घर नहीं की जानकारी मिली. भारत सरकार ने 25 लाख लोगों को ही प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्र माना. पांच लाख को रद्द कर दिया गया. 'सभी बैकलॉग को समाप्त किया गया' : 2018 में 25 लाख लोगों की जो सूची तैयार की गई थी. वह पूरी तरह से अब समाप्त हो गया है. सभी को प्रधानमंत्री आवास के लिए स्वीकृति दे दी गई है. 13 लाख 10000 सूची में बच गया था जिसमें से 790000 केंद्र सरकार ने पहले स्वीकृति दे दी थी और प्रधानमंत्री जब इस बार बिहार दौरे पर आए तो 520000 प्रधानमंत्री आवास जो बैकलॉग बचा था उसकी भी स्वीकृति दे दी, यानी कि दो फेज में जो बैकलॉग था उसे समाप्त कर दिया गया है. "बिहार में जातीय गणना नीतीश कुमार ने करवाया है. उसमें भी 96 लाख परिवार गरीबी रेखा से नीचे हैं, जिनके पास अपना घर नहीं है. नई सूची में भी एक करोड़ से अधिक लोगों ने घर नहीं होने की बात कही है. तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है."- श्रवण कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री, बिहार श्रवण कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने मानक भी अलग तय कर रखा है. बिहार सरकार ने जातीय गणना में गरीब परिवारों की जो सूची तैयार की थी उसमें 6000 से कम आमदनी वाले लोगों को शामिल किया गया था, लेकिन भारत सरकार ने 8000 मानक तय किया है. इसके कारण भी नई सूची में संख्या अधिक होना तय है. 'हम लोग डिमांड करेंगे' : इस सवाल पर कि क्या विधानसभा चुनाव से पहले नई सूची के अनुसार आप लोग प्रधानमंत्री आवास के लिए और डिमांड करेंगे, श्रवण कुमार ने कहा कि अभी तो हम लोग जो केंद्र सरकार ने 13 लाख 10000 की स्वीकृति दी है उस पर तेजी से काम कर रहे हैं. जब भारत सरकार ने ही नई सूची बनवाई है तो स्वाभाविक है कि नई सूची के अनुसार ही केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री आवास बिहार को उपलब्ध कराएगी, हम लोग डिमांड भी करेंगे. 60/40 का होता है रेशियो : प्रधानमंत्री आवास योजना में 120000 की राशि दी जाती है और यह राशि तीन किस्तों में उपलब्ध कराई जाती है. पहाड़ी इलाकों के लोगों को 130000 रुपए की राशि दी जाती है. केंद्र सरकार 60% राशि देती है जबकि राज्य सरकार को 40% की राशि इस योजना में लगाना होता है. प्रधानमंत्री आवास योजना में कई तरह की अनियमितता की खबर भी आती है. जांच पड़ताल में कई पर कार्रवाई भी हुई है

शहीद रामबाबू सिंह के परिवार से मिले सांसद पप्पू यादव, एक लाख रुपये दी आर्थिक सहायता

संवाददाता द्वारा

सारण :ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए आर्मी जवान रामबाबू सिंह के परिवार को सांत्वना देने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव सीवान पहुंचे। इस दौरान पप्पू यादव ने परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। वहीं, सरकार से पीड़ित परिवार के लिए दो करोड़ रुपये और नौकरी देने की मांग की है। पप्पू यादव बड़हरिया प्रखंड के गौतम बुद्ध नगर थाना क्षेत्र के वसिलपुर गांव स्थित शहीद जवान रामबाबू सिंह के घर पर पहुंचे हुए थे। जहां उन्होंने शहीद के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। पप्पू यादव ने कहा कि इंदिरा जी ने दुनिया को चैलेंज किया चाइना हो या कोई, कभी समझौता नहीं किया। इन्हें तो अटल जी से सीखना चाहिए। क्योंकि इंदिरा जी को तो गाली देंगे, इनको गाली देने के अलावा कुछ नहीं आता। अटल जी ने भी दो टूक जवाब दिया था कि समझौता नहीं करूंगा। यह दो व्यापारी के कारण ट्रंप की बात मान लिए। इनके लिए देश पहले नहीं है, उनके लिए व्यापार और व्यापारी पहले हैं। इनके लिए सिर्फ अदाणी और अंबानी हैं, देश के सैनिक और देश का कोई वैल्यू इनको नहीं है, जिस पाकिस्तान को गली का कुत्ता न समझे, इस सरकार में उसे परमाणु बम और समझौता पर खड़े कर देते हैं। चीन और तुर्किए ने पाकिस्तान को खुल्लम-खुल्ला सपोर्ट किया और हम अभी तक व्यापार चालू रखे हैं। बिहार के चार जवान शहीद हो गए, कितने गंदे नेता लोग होते हैं, चुनाव लड़ने तो आता है। लेकिन जंग लड़ने नहीं आता है। ये सत्ता ले लेंगे, कुर्सी बचा लेंगे लेकिन देश नहीं बचा पाए। हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री यहां पर आएं, क्योंकि हमें इस जवान पर गर्व है

बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड, मुन्ना शुक्ला को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना : सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में पटना में पूर्व आरजेडी मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के लिए अपराधी से राजनेता बने विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है. पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और आर महादेवन की पीठ ने मुन्ना शुक्ला और एक सह-दोषी की याचिकाओं को खारिज कर दिया. जिसमें शीर्ष अदालत के अक्टूबर 2024 के फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी. उच्चतम न्यायालय ने 6 मई को अपने आदेश में कहा, "समीक्षा याचिकाओं में मौखिक सुनवाई की अनुमति देने की प्रार्थना खारिज की जाती है. समीक्षा याचिकाओं और संलग्न दस्तावेजों को देखने के बाद, हमें 3 अक्टूबर, 2024 के फैसले की समीक्षा करने के लिए कोई अच्छा आधार और कारण नहीं मिला. इसलिए समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं. लंबित आवेदन, यदि कोई हो तो उसका निपटारा किया जाएगा." मुन्ना शुक्ला ने अधिवक्ता नमित सक्सेना के माध्यम से पुनर्विचार याचिका दायर की थी. फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली है. बता दें कि पिछले साल 3 अक्टूबर को अदालत ने मुन्ना शुक्ला

और मंटू तिवारी को इस मामले में दोषी ठहराया था. उच्चतम अदालत ने पटना उच्च न्यायालय के उस फैसले को आंशिक रूप से खारिज कर दिया था, जिसमें सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया था. इसमें पूर्व विधायक शुक्ला और मंटू तिवारी को आजीवन कारावास की सजा भुगतने के लिए 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा गया था. शीर्ष अदालत ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह सहित पांच अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ दिया और उनको बरी करने के फैसले को बरकरार रखा. बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड : बता दें कि पूर्व भाजपा सांसद रमा देवी के पति और प्रभावशाली ओबीसी नेता बृज बिहारी प्रसाद की हत्या कर दी गई थी. गोरखपुर के गैंगस्टर श्रीप्रकाश शुक्ला द्वारा हत्या की गई थी. जिसके बाद उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने हमलावर श्रीप्रकाश शुक्ला को एनकाउंटर में मार गिराया था. शीर्ष अदालत ने कहा था, ₹बृज बिहारी प्रसाद और लक्ष्मेश्वर साहू (प्रसाद के अंगरक्षक) की हत्या के लिए मंटू तिवारी और विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत आरोप साबित हो चुके हैं मंत्री को गोलियों से किया गया था छलनी : 13 जून 1998 को बृज बिहारी प्रसाद आईजीआईएमएस परिसर में टहल रहे थे. बॉडीगार्ड भी उनके साथ था. तभी अचानक एक एंबेसडर और एक सूमो उनके पास पहुंचा. गर्दनीबाग थाना (अब शास्त्रीनगर) कांड संख्या 336/98 में दर्ज ऋक्रमें लिखा गया है कि मंटू तिवारी, भूपेंद्र नाथ दुबे, श्रीप्रकाश शुक्ला सहित कई लोग बृजबिहारी प्रसाद और बॉडीगार्ड के पास आ गए. पहले भूपेंद्र नाथ दुबे ने गोली चलाई. उसके बाद मंटू तिवारी ने स्टेनगन से गोली चलानी शुरू कर दी. श्रीप्रकाश शुक्ला ने भी पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग की. उस समय बृज बिहारी प्रसाद और उनके बॉडीगार्ड वहीं गिर गए और उनकी जान चली गई.

बिहार का कुख्यात 'बाबा' गिरफ्तार, बंगाल-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ तक मचा रखा था आतंक

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है. काफी दिनों से फरार चल रहे वांछित और कुख्यात अपराधी धर्मवीर कुमार उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया गया है. धर्मवीर अंतर राज्यीय अपराधी है. इसके ऊपर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ बिहार के मुजफ्फरपुर, नालंदा और पूर्णिया जिले में हत्या, लूट और डकैती के कई मामले दर्ज हैं. बिहार का कुख्यात 'बाबा' गिरफ्तार : बताया जाता है कि धर्मवीर कुमार उर्फ बाबा कुख्यात अंतर राज्यीय सोना लुटेरा सुबोध सिंह गैंग का सक्रिय सदस्य है. 2024 में पूर्णिया के सहायक थाना खजांची में हुए तनिष्क ज्वेलरी शॉप लूट कांड में भी शामिल था. बिहार एसटीएफ की टीम में इसे गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को नालंदा के इस्लामपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया. अन्य अपराधियों की कुंडली खंगालेगा रळ्ऋ: धर्मवीर मूल रूप से नालंदा के चिश्तिपुर थाना चांदी का रहने वाला है. कई महीनों से यह फरार चल रहा था. जिसे आखिरकार बुधवार को बिहार एसटीएफ के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है. एसटीएफ इस गिरफ्तारी को बड़ी उपलब्धि मान रहा है. कहा जा रहा है कि इससे पूछताछ के बाद और भी कई अपराधी पकड़े जा सकते हैं. "धर्मवीर कुमार उर्फ बाबा एक कुख्यात और वांछित अपराधी है. यह कुख्यात सोना लुटेरा सुबोध सिंह गैंग का मुख्य सदस्य है. बिहार के साथ-साथ देश के कई राज्यों में इन लोगों के द्वारा लूट और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम दिया गया है. इसकी तलाश कई महीनों से एसटीएफ की टीम के द्वारा किया जा रहा था. जिसे बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर इस्लामपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया. इसके ऊपर कई संगीन मामले दर्ज हैं."- बिहार पुलिस मुख्यालय, विशेष कार्यबल सूची बनाकर हो रही कार्रवाई : बता दें कि, बिहार एसटीएफ के द्वारा लगातार अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई की जा रही है. आए दिन कहीं ना कहीं से वांछित और फरार अपराधियों को एसटीएफ की टीम के द्वारा दबोचा जा रहा है. हालांकि पुलिस मुख्यालय के द्वारा बिहार के सभी जिलों के टॉप टेन अपराधियों की सूची भी बनाई गई है. इस सूची के अनुसार सभी अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है.

कुत्ते की दुम...बुरी तरह हारे, पाकिस्तानी सेना 'कैंसर' है

ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिका-यूके में बेनकाब हुई पश्चिमी मीडिया

अंजन कुमार

नई दिल्ली : भारत को लेकर पश्चिमी मीडिया का रवैया हमेशा पक्षपाती रहा है। शायद इसकी वजह ये रही है कि ब्रिटेन की गुलामी से मुक्त होने के बाद भारत एकमात्र ऐसा राष्ट्र बन चुका है, जो अपनी शर्तों पर सारी नीतियां और कूटनीतियां तय करता है। यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। यही वजह है कि पश्चिमी मीडिया और उनके देश के हुक्मरानों की भारत के प्रति दुर्भावना खत्म ही नहीं होती। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से जिस तरह से पाकिस्तान के दोष को दबाने की अमेरिकी प्रयास हो रहे हैं और उसमें पश्चिमी मीडिया उनकी ढाल बनकर उभरी है। लेकिन, उसे अब वहीं के पूर्व रक्षा अधिकारियों ने बेनकाब करना शुरू कर दिया है। यही हाल यूके का है। वहां के विद्वान तो अब बीबीसी जैसे संस्थानों को बैन करने तक की मांग कर रहे हैं। भारत को पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर इसलिए लॉन्च करना पड़ा, क्योंकि पाकिस्तानी सेना की सरपरस्ती में वहां से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। भारत की नीति शुरू से स्पष्ट है कि उसके निशाने पर सिर्फ आतंकी, उनके सरगना और उनके ठिकानें हैं। भारत ने शुरू में किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न सिर्फ पाकिस्तान को भारत के साथ एक तराजू पर तोलने की कोशिश की, बल्कि ऐसा लगा ही नहीं कि वह पहलगाम की घटना और उसकी बाद की परिस्थितियों को

लेकर पाकिस्तान के गुनाहों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। ट्रंप ही नहीं, अमेरिकी और ब्रिटिश मीडिया भी एक तरह से पाकिस्तानी सेना और उसकी आड़ में दहशतगर्दों के प्रति सहानुभूति दिखाती नजर आई। लेकिन, अब अमेरिका डिफेंस के एपिसेंटर पेंटागन के पूर्व अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत और उसमें भारतीय सशस्त्र सेना को मिली अभूतपूर्व कामयाबी की असलियत दुनिया के सामने रखनी शुरू कर दी है। इन्हीं में से एक हैं माइकल रुबिन जो इस समय अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट में सीनियर फेलो हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा है,'...पाकिस्तान दुम दबाकर भागे हुए कुत्ते की तरह सीजफायर पाने के लिए भागा। पाकिस्तानी सेना इस पर कोई भी लीपापोती करे, लेकिन सच यही है कि वे न केवल हारे, बल्कि बहुत बुरी तरह हारे।' वे आगे कहते हैं, 'स्पष्ट रूप से, पाकिस्तानी सेना में एक समस्या है। एक तो यह पाकिस्तानी समाज के लिए कैंसर की तरह है और दूसरा, एक सेना के रूप में, यह अक्षम है। क्या असीम मुनीर अपनी नौकरी बचा पाएंगे? लगभग इसी तरह की भावना यूनाइटेड किंगडम के एक बड़े राजनीतिक विश्लेषक डेविड वेंस ने जाहिर की है। उन्होंने तो पक्षपाती रवैए के लिए बीबीसी पर बैन लगाने तक की मांग की है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह भारत-विरोधी है। उन्होंने कहा, 'काफी समय से एक ऑपरेशन की जरूरत थी और आखिरकार वो हुआ। जहां तक समझ में आता है, ये ऑपरेशन सफल रहा है। अगर आप ग्लोबल मीडिया को देखें, तो वो भारत का ज्यादा समर्थन नहीं कर रहा है।' उन्होंने कहा कि यह भारत का सभ्यता के लिए एक कदम था। यह सिर्फ पाकिस्तान के साथ एक झगड़ा नहीं था। उनके अनुसार,'मैं पाकिस्तान को एक विफल राज्य, एक आतंकवादी राज्य और एक आतंकवादी इनक्यूबेटर मानता हूं। भारत ने जो कदम उठाया, वह अच्छा था। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिमी मीडिया की पोल खोल कर रख दी है, जिसके बारे में भारत में बहुत पहले से ही आशंकाएं और चिंताएं जताई जाती रही हैं। उनका कहना है, 'पश्चिमी मीडिया ने जो खबरें दिखाई हैं, वो ठीक नहीं हैं। ऐसा लगता है कि वे पाकिस्तान का साथ दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि भारत को कितनी सफलता मिली है। प्रेसिडेंट ट्रंप ने जो दखलंदाजी की और सीजफायर कराने की कोशिश की, उससे मुझे निराशा हुई। सीजफायर की कोई जरूरत नहीं थी....पश्चिमी मीडिया कई मामलों में सही नहीं है। पश्चिमी मीडिया कई चीजों पर निष्पक्ष नहीं है। ऐसा लगता है कि वे कुछ मामलों में गलत जानकारी देते हैं। इनपर भरोसा नहीं किया जा सकता....भारत में बीबीसी को बैन कर देना चाहिए। यह बहुत ही ज्यादा भारत-विरोधी और पाकिस्तान का पक्षधर है...।

'डोनाल्ड' मेला आयोजित कर ले बीजेपी तिरंगा यात्रा पर सामना ने लिखा

'ऑपरेशन सिंदूर' पर तिरंगा यात्रा निकालने की बीजेपी की घोषणा ने सियासी तूफ़ान खड़ा कर दिया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने बीजेपी पर बड़ा हमला किया है और कहा है कि इन लोगों ने एक साथ 'सिंदूर' और 'तिरंगा' का अपमान किया। इसने आरोप लगाया है कि बीजेपी की 'तिरंगा यात्रा' एक राजनीतिक स्टंट है। उद्धव की शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे संपादकीय में कहा गया है, 'बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और उनकी पार्टी का तिरंगा यात्रा निकालकर जीत का जश्न मनाना उन माताओं-बहनों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिनका सिंदूर उजड़ गया। बावजूद इसके अगर बीजेपी यात्रा निकालती है तो अमेरिका और ट्रंप के झंडे लें और बैनरों पर मोदी के साथ ट्रंप की फोटो छापें। इसने लिखा है, बीजेपी कई उत्सव मनाती रहती है। अब उन्हें 'डोनाल्ड ताऊ' के नाम पर एक कार्निवल आयोजित कर उसमें शामिल होना चाहिए। किस बात की तिरंगा यात्रा निकाल रहे हो? भारतीय जनता पार्टी 'ऑपरेशन सिंदूर' की कथित सफलता के जश्न में 13 मई से 23 मई तक देशभर में तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की है। सामना ने लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसका वर्तमान नेतृत्व एक उलझा तमाशा है। इसने लिखा है, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देशभर में तिरंगा यात्रा निकालने का एलान किया है। यह मुर्दों की खोपड़ी से मक्खन खाने का एक बेशर्म रूप है। जब पहलगाम हमले का बदला पूरा नहीं हुआ तो ऐसी यात्रा निकालना और राजनीति करना किसी भी राजनीतिक दल को शोभा नहीं देता। सामना ने लिखा है, 'ऑपरेशन सिंदूर के पूरा होने से पहले प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने धमका कर भारत को युद्ध से हटने के लिए मजबूर किया। जबकि पाकिस्तान की हार निश्चित थी, प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार लालच के लिए ट्रंप की धमकी स्वीकार कर ली और युद्धविराम कर दिया। इसमें कहां पूरा हुआ 'सिंदूर' का बदला? इन लोगों ने एक साथ 'सिंदूर' और 'तिरंगा' का अपमान किया। तिरंगा यात्रा एक राजनीतिक स्टंट है। इसने आगे लिखा है, 'भाजपा

अध्यक्ष डॉ. जे.पी.नड्डा और उनकी पार्टी का तिरंगा यात्रा निकालकर जीत का जश्न मनाना उन माताओं-बहनों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिनका सिंदूर उजड़ गया। बावजूद इसके अगर भाजपा यात्रा निकालती है तो अमेरिका और ट्रंप के झंडे लें और बैनरों पर मोदी के साथ ट्रंप की फोटो छापें। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि जैसे उन्होंने पुलवामा की राजनीति की, अब बीजेपी ने पहलगाम हमले और 26 बहनों के सिंदूर खोने की राजनीति शुरू कर दी है। इसने कहा है, यह इस बात का पुख्ता सबूत है कि बीजेपी की नीयत साफ नहीं है और वे रक्त पिपासु लोग हैं। यह तिरंगा यात्रा 13 मई से 23 मई तक चलेगी और इसमें बीजेपी के बड़े नेता शामिल होंगे। भारत के लोगों को बताया जाएगा कि मोदी और अन्य लोगों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को कैसे सफल बनाया। सामना ने लिखा है कि पहलगाम हमले को लेकर सबसे पहले गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा लेना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी को बिना कैमरे के 12 घंटे तक केदारनाथ गुफा में जाकर आत्ममंथन करना चाहिए था कि क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' वास्तव में सफल हुआ। पहलगाम हमले में शामिल पांच-छह आतंकियों का पता नहीं चल पाया है। वे गए कहां? भारत ने 11 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। क्या इसके बदले पहलगाम के इन अपराधियों को मार नहीं दिया जाना चाहिए? ये जिम्मेदारी सिर्फ़ अमित शाह की है। वो महाशय फिलहाल कहां हैं? कहा गया कि भारत पाकिस्तान को ऐसी जबरदस्त टक्कर देने जा रहा है कि पाकिस्तान फिर कभी जमीन से उठ नहीं पाएगा। आज किस आधार पर पाकिस्तान में जंग जीतने का जश्न मनाया जा रहा है? क्या यह युद्ध पाक अधिकृत कश्मीर पर कब्जा पाने के लिए था? तो भारत को कितने इंच 'पीओके' मिला? अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रंप ने वॉशिंगटन से एलान किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवा दिया। यह एक संप्रभु राष्ट्र पर हमला है। क्या भारत के 56 इंच के सीने पर इस तरह का 'पिन' चुभो कर हवा निकालने का मामला प्रधानमंत्री मोदी को स्वीकार्य है? सामना ने लिखा है कि भारत ने पाकिस्तान को सबक़ सिखाया ही नहीं, उलट डोनाल्ड ट्रंप की गुलामी अपना ली। इसने आगे लिखा है, जब भारतीय सेना पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार होती है, तो डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की सहायता के लिए दौड़ते हैं और संप्रभु भारत राष्ट्र को युद्ध के मैदान से हटने के लिए मजबूर करते हैं। जंग की शुरुआत पाकिस्तान के आतंकवाद से हुई और थमी अमेरिकी व्यापार पर।

भारी पड़ी पाकिस्तान से यारी... धड़ाधड़ कैंसल होने लगे तुर्की और अजरबैजान के टूर पैकेज

कात्यायनी उप्रेती

नई दिल्ली : भारत-पाकिस्तान के तनाव का असर पर्यटन पर साफ नजर आ रहा है। कश्मीर के बाद अब तुर्की और अजरबैजान के पर्यटन पर असर होगा। जहां कश्मीर में पर्यटन की मार की वजह डर और मुश्किल हालात हैं, वहीं इन दोनों देशों में टूर कैंसल होने की वजह गुस्सा है। तुर्की और अज़रबैजान की तरफ से पाकिस्तान को खुला सपोर्ट मिलने से भारत के लोग नाराज हैं और गर्मियों के छुट्टियों के बीच इन देशों में ट्रिप कैंसल कर रहे हैं। अलग-अलग टूर ऑपरेटर्स का कहना है कि 30-80 प्रतिशत ट्रिप कैंसल हो गई हैं। इंडियन असोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के प्रेजिडेंट रवि गोसाईं बताते हैं कि भारत-पाक के तनाव के बाद खासतौर पर सोशल मीडिया में एक मुहिम अज़रबैजान और तुर्की के खिलाफ तेजी से चल रही है। कश्मीर का मामला ताजा है और लोग देश के लिए संवेदनशील हैं। अलग-अलग टूर ऑपरेटर्स बता रहे हैं कि 20-50 प्रतिशत बुकिंग कैंसल हो चुकी हैं और कई लोग रोजाना इन दोनों देशों पर दूसरे ऑप्शन मांग रहे हैं। आने वाले कुछ एक दिनों में आंकड़ा और ऊपर जाएगा। अब लोग करीब-करीब इसी बजट वाले इनके पड़ोसी देशों में घूमने का ऑप्शन देख रहे हैं। जॉर्जिया, आर्मेनिया की बुकिंग इस दौरान बढ़ी हैं। सिंगापुर, थाईलैंड, मलयेशिया समेत यूरोपियन देशों की ओर से लोग प्लानिंग कर रहे हैं। भारत में कश्मीर के पर्यटन का उठना इस वक्त मुश्किल है तो लोग

हिमाचल, उत्तराखंड और कुछ नॉर्थ-ईस्ट राज्यों की तरफ भी जा रहे हैं। कई ट्रैवल कंपनियां इन देशों में अनावश्यक न ही जाने की सलाह दे रही हैं और कई ने प्रमोशन और ऑफर भी बंद कर दिए हैं। मेक माई ट्रिप ने भी इन दिनों देशों में अनावश्यक तौर पर यात्रा न करने की सलाह देते हुए बताया कि भारतीय यात्रियों ने पिछले एक हफ्ते में अज़रबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि इसी दौरान कैंसल होने में 250 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ईज माई ट्रिप ने भी लोगों को दोनों देशों को बायकॉट करने को कहा है। कंपनी के सीईओ निशांत पिट्टी का कहना है कि तुर्की का पर्यटन 12 प्रतिशत जीडीपी और अज़रबैजान का 7.6 प्रतिशत जीडीपी में अपना हिस्सा देता है और 10 प्रतिशत जॉब्स में। जब दोनों देश पाकिस्तान को खुले तौर पर सपोर्ट कर रहे हैं कि तो हमें उनके पर्यटन में हिस्सेदारी क्यों करें? ट्रैवल एजेंट्स असोसिएशन ऑफ इंडिया के मैनेजिंग कमिटी मेंबर राजन सहगल कहते हैं कि पिछले कुछ दिनों से हमें देशभर से ट्रैवल एजेंट्स फोन कर बता रहे हैं कि तुर्की और अज़रबैजान की 70-80 प्रतिशत बुकिंग कैंसल हो गई हैं। बड़े-बड़े ऑनलाइन पोर्टल का आंकड़ा भी 50 प्रतिशत तक है। राजन बताते हैं कि पिछले 7-8 साल में तुर्की में जाने वाले भारतीय टूरिस्ट की संख्या करीब 10 गुना से ज्यादा बढ़ी है। अजरबैजान में दो-तीन साल में ही पांच गुना उछाल आया है। दोनों ही देशों के लिए भारत से 3.5 से 6 घंटे में पहुंच सकते हैं। फ्लाइट के सस्ते ऑप्शन हैं। यूरोप और गल्फ के मुकाबले घूमना सस्ता है। यूरोप जैसी वाइब भी है। दिलचस्प कल्चर और हेरिटेज भी है। मगर पहलगाम हमले और फिर पाकिस्तान की हवाई हमलों के बावजूद पाकिस्तान को दोनों देशों के खुले सपोर्ट से लोग नाराज हैं। इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की पर्यटन कमिटी ने भी टूर ऑपरेटर्स के इस फैसले को अपना साथ दिया है। कमिटी के चेयरमैन सुभाष गोयल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के लिए इस बायकॉट के हक में हैं। दुनिया में कई खूबसूरत देश हैं, हम लोगों से यही कहना चाहेंगे कि उन देशों को चुनें, जो सुरक्षित हैं और भारत के आतंकवाद और अलगाववादी के खिलाफ प्रतिबद्धता दिखाते हुए शांति को प्रमोट करते हैं। अजरबैजान और तुर्की दोनों ही देशों में भारत से जाने वाले टूरिस्ट की संख्या में उछाल आया है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले साल अजरबैजान में 2.43 लाख भारतीय पर्यटक गए, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 1.17 लाख था। इसी तरह तुर्की में 2024 में 3.3 लाख भारतीय घूमने गए, 2023 में यह संख्या की 2.74 लाख थी।

आतंकवाद के विरुद्ध मानक बना 'ऑपरेशन सिंदूर', दुनिया को मिला बड़ा संदेश

अवधेश कुमार

> प्रधानमंत्री ने कहीं भी अपने संबोधन में सीजफायर यानी युद्धविराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। उनके वक्तव्य में मूल पांच बातें स्पष्ट थीं। पहलगाम हमले के बाद सीमापार आतंकवाद और पाकिस्तान के संदर्भ में हमारा स्टैंड और पूरी सैन्य रणनीति कायम है। पाकिस्तान के हमले के लगातार विफल होने और उसके सैन्य अड्डों के तबाह होने के बाद शांति की पहल उन्होंने की और भारत ने अपनी शर्तों पर इसे स्वीकार किया। आतंकवादी देश न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आधार पर शांति की बात करे और हम उसे स्वीकार कर लें, यह संभव ही नहीं है। अगर पाकिस्तान से कोई बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और आतंकवाद पर ही होगी। हमारे स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों ने जैसी सफलता प्राप्त की है।

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो टूक और प्रखर, आक्रामक घोषणाओं को देखने के बाद सीमापार आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर देश के अंदर या बाहर जो भी भ्रम रहा होगा, वह दूर हो जाना चाहिए। प्रधानमंत्री अगर घोषणा कर रहे हैं कि आतंकवाद के साथ वार्ता और व्यापार नहीं चल सकते, पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते तो उसके संदेश स्पष्ट हैं। इसके बाद भी कोई कहे कि भारत की नीति अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की पोस्ट के आधार पर तय हो रही है तो वह गलत है।

पांच खास बातें : प्रधानमंत्री ने कहीं भी अपने संबोधन में सीजफायर यानी युद्धविराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। उनके वक्तव्य में मूल पांच बातें स्पष्ट थीं। पहलगाम हमले के बाद सीमापार आतंकवाद और पाकिस्तान के संदर्भ में हमारा स्टैंड और पूरी सैन्य रणनीति कायम है। पाकिस्तान के हमले के लगातार विफल होने और उसके सैन्य अड्डों के तबाह होने के बाद शांति की पहल उन्होंने की और भारत ने अपनी शर्तों पर इसे स्वीकार किया। आतंकवादी देश न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आधार पर शांति की बात करे और हम उसे स्वीकार कर लें, यह संभव ही नहीं है। अगर पाकिस्तान से कोई बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और आतंकवाद पर ही होगी। हमारे स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों ने जैसी सफलता प्राप्त की है, उसके बाद कोई देश यह न सोचे कि युद्ध के दौरान वह हमारे लिए अपरिहार्य होगा।

स्वदेशी हथियारों की ब्रैंडिंग : गौर से देखें तो अमेरिका सहित पश्चिमी देशों को संदेश के साथ ही यह भारत की रक्षा सामग्रियों के अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़ी ब्रैंडिंग भी थी। यानी हम भी प्रतिस्पर्धा में उतर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी घटना पर लंबी अवधि के नजरिये से विचार करते हैं। वह भविष्य के भारत के वैश्विक उद्देश्यों के आधार को ध्यान में रखकर, उस पर समग्रता से विचार करने के बाद ही अपनी राय रखते हैं। देखा जाए तो ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद प्रधानमंत्री के वक्तव्य के जरिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नेतृत्वकारी भूमिका वाले देश के रूप में खुद को प्रस्तुत किया है।

दुनिया के नेता को खतरा : अमेरिका की परेशानी यह भी हो गई है कि अगर भारत इस तरह साहसिक सैन्य कार्रवाई करता रहा तो

दुनिया के नेता का उसका स्थान खतरे में पड़ सकता है। तभी डॉनल्ड ट्रंप की भाषा भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए समान थी। उन्होंने दोनों को महान देश बताया और दोनों के साथ सतत व्यापार करने की इच्छा व्यक्त की। अचानक चीन के साथ व्यापारिक टकराव दूर करने के पीछे भी यही रणनीति हो सकती है।

दिखाया आईना : प्रधानमंत्री ने अमेरिका और यूरोप को आईना दिखाते हुए यह भी कहा कि 2001 में हुआ 9/11 हमला हो या ब्रिटेन में ट्यूब का हमला, इनके पीछे भी बहावलपुर के जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके के लश्कर-ए-तैयबा केंद्रों की भूमिका थी। यह सच है कि तब वैश्विक आतंकवाद के केंद्र में ये स्थल थे। ओसामा बिन लादेन खुलेआम इन स्थानों में तकरीरें करता था।

भारत की चेतावनी : अगर प्रधानमंत्री कहते हैं कि उन्होंने हमारी माताओं-बहनों की मांगों के सिंदूर उजाड़े तो हमने उनके अड्डों को ही उजाड़ दिया और यह भी कि ऑपरेशन सिंदूर एक अखंड प्रतिज्ञा है, तो नहीं लगता कि इस समय विश्व का कोई भी नेता इतने खतरनाक पड़ोसी के खिलाफ इस प्रकार के विचार और तेवर सामने रख सकता है। अब न केवल आतंकवादियों बल्कि उनके प्रायोजकों को भी भारत की यह चेतावनी गंभीरता से लेनी होगी कि उन्हें आतंकवाद का इंफ्रास्ट्रक्चर ध्वस्त करना ही होगा। नहीं करेंगे तो फिर ऑपरेशन सिंदूर के विस्तारित प्रचंड हमले के लिए तैयार रहें।

बन गया नया मानक : वास्तव में, ऑपरेशन सिंदूर वैश्विक आतंकवाद से संघर्ष के लिए विचारधारा और रणनीति दोनों स्तरों पर एक विशिष्ट मानक भी बन गया है। यह बताता है कि नेतृत्व के पास इसके पीछे की संपूर्ण सोच और योजनाओं की पूरी समझ हो, प्रतिकार के लिए दीर्घकालिक रणनीति व उसे क्रियान्वित करने की संकल्पबद्धता हो तो पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश को भी सबक सिखाया जा सकता है। इस तरह ऑपरेशन सिंदूर के साथ भारत एक ऐसे नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहां उसकी स्वयं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता व वैश्विक शांति की उसकी अपनी दृष्टि सर्वोपरि है। क्या देश के अंदर मोदी सरकार का विरोध कर रहे लोग इस सच को स्वीकार करेंगे?

संक्षिप्त समाचार

कर्नल सोफिया कुरैशी पर हर भारतीय को नाज है- शाहिद इकबाल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ झामुमो के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शाहिद इकबाल ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री , मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को ₹आतंकवादियों की बहनह्व कहा है! उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर, देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने का कष्ट की जाए! शर्म आनी चाहिए बीजेपी मंत्री को ऑपरेशन सिन्दूर का नेतृत्व करने वाली भारत की बेटी सोफिया कुरैशी को बीजेपी के मंत्री विजय सिंह आतंकवादियों की बहन बता रहे हैं। क्या यही है आपकी देशभक्ति का चेहरा कर्नल सोफिया कुरैशी भारत की पहली महिला अधिकारी हैं जिन्होंने विदेश में सैन्य दल का नेतृत्व किया। वह हर भारतीय की प्रेरणा हैं। उनका रिश्ता आतंकवादियों से जोड़ना निंदनीय है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं शाहिद इकबाल ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर हर भारतीय को नाज है. देशभक्ति में फूहड़ता की जगह नहीं होती. इखढ को अपने नेता विजय शाह पर लगाम लगानी चाहिए ताकि दोबारा ऐसी गिरी हुई हरकत और बातें वो ना करें.

चोरेया से 7 मई को कुएं से बरामद शव मामले में पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हो पुलिस को मिली सफलता विगत 7 मई को चान्हो के चोरेया स्थित एक कुएं से बरामद हुए शव के मामले में चोरया के सोनू खान उर्फ सोनू अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल बजे दिया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता ने गुरुवार शाम 6 बजे जानकारी देते हुए बताया कि मृतक व्यक्ति के भाई के द्वारा थाने में किए गए ऋक्कफ के अनुसंधान पर पुलिस आगे बढ़ते हुए सोनू को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है मालूम हो कि मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल झालदा के लव महतो के रूप में हुई थी।

पाकुड़ लायंस क्लब ने भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों को पिलाया सत्तू शरबत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ लायंस डिस्ट्रिक्ट 322ए के एक डिस्ट्रिक्ट, एक कार्यक्रम₹ अभियान के तहत लायंस क्लब पाकुड़ विशाल ने बृंदावन मार्केट के सामने सत्तू शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। भीषण गर्मी के मद्देनजर आयोजित इस सेवा कार्य में करीब 500 राहगीरों, ऑटो चालकों और दुकानदारों को शीतल सत्तू शरबत पिलाया गया। कार्यक्रम की अगुवाई क्लब अध्यक्ष मंजीत रजक ने की। इस अवसर पर सचिव प्रमोद डोकानियां, निर्मल जैन, सुरेश बाकलीवाल, सुशील शर्मा, बिष्णु साह, संतोष केजरीवाल और जयंत चक्रवर्ती की सक्रिय भूमिका रही। अध्यक्ष मंजीत रजक ने बताया कि लायंस क्लब वर्ष भर मानवता की सेवा के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें भूखों को भोजन कराना, वृक्षारोपण, असहायों के बीच कंबल व छाता वितरण जैसे कार्य शामिल हैं।

डॉ. करुणा पंजियारा ने ₹माँ बनना -एक सुखद पल₹ में निभाई थी भागीदारी, हुई सम्मानित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय प्रफुल्ल-कनकलता सिकदार स्मृति न्यास, विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान, संत माइकल एंग्लो ग्रुप ऑफ स्कूल्स एवं प्रफुल्ल-कनकलता सिकदार स्मृति न्यास के संयुक्त बैनर तले दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर लगभग 50 महिलाओं ने ₹माँ बनना-एक सुखद पल₹ संगोष्ठी में अपनी अपनी भागीदारी निभाई थी। प्रशस्ति पत्र वितरण के दौरान अनुपस्थित होने के कारण, रमा देवी बाजला महिला महाविद्यालय के बांग्ला विभागध्यक्ष डॉ. करुणा पंजियारा को उनके आवास पर, सिकदार ट्रस्ट के सचिव काजल कांति सिकदार, वेक्सो इंडिया के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव व छत्तीसी मध्य विद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक कैलाश कापरी के करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर करुणा पंजियारा ने कहा- माँ बनना एक सुखद पल है, लेकिन यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। माँ बनना एक ऐसा काम है जो दिन-रात चलता है। यह कठिन काम है, कभी-कभी दर्दनाक भी। इसमें कोई छुट्टी नहीं होती, कोई बीमार छुट्टी नहीं होती, और कोई छुट्टी नहीं होती। माँ बनना एक बड़ी जिम्मेदारी है और साथ ही एक महाशक्ति भी।

बैद्यनाथधाम केसरवानी वैश्य सभा द्वारा फ्री डेंटल कैंप का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 15/05/25 को श्री केसरवानी आश्रम देवघर में बैद्यनाथधाम केसरवानी वैश्य सभा द्वारा फ्री डेंटल कैंप का भव्य आयोजन किया गया डेंटल कैंप में देवघर के जाने माने डॉक्टर चेतना भारती कुमार हर्ष डॉ शालिनी साथ में सहयोगी साक्षी मनी के रूप में साथ ही नारायणी पैथोलैब द्वारा फ्री ब्लड जांच होमोगोलोबिन जांच शुगर जांच किया गया 250 लोगों ने अपना दांत का चेकअप कराया महिलाएं की संख्या बहुत ही ज्यादा थी सभी को जांच के बाद मुफ्त दवा पेस्ट माउथ फ्रेशनर मसाज क्रीम भी मुफ्त में बाटा गया

सभी डॉक्टर का सम्मान अंग वस्त्र मोमेंटो बुके देकर किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में बैद्यनाथधाम केसरवानी वैश्य सभा तरुण सभा महिला सभा के सभी सदस्य सुबह से ही लगे रहे कार्यक्रम में मुख्यरूप से केसरवानी समाज के अध्यक्ष दीपक केसरी गजेंद्र केसरी अजीत केशरी संजय केशरी अरुण केशरी गौरी शंकर केशरी विक्रम केशरी लोकनाथ केशरी अनिल केशरी मनीष केशरी रूपेश केशरी राज कुमार मदन केशरी केशरी बासुकी केशरी प्रकाश केशरी मुकेश केशरी मनी केशरी पिंटू केशरी मोनू केशरी अमित केशरी सोनू केशरी प्रशांत केशरी चेतन केशरी नीतू केशरी सोनी केशरी ज्योति केसरी राहुल केशरी आशा केशरी शीतल केशरी गौरव केशरी अमन केशरी शुभम केशरी कृति केशरी प्रियांशु अभिषेक प्रिंस सौरव नाथ केशरी सभी मुख्य रूप से मौजूद थे

नवाह पारायण महायज्ञ को लेकर किया गया ध्वाजारोहण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कोरियास वार्ड नं 10 स्थिति कपिध्वज समाज कोरियासा बजरंगबली मंदिर के प्रांगण में आयोजित नौ दिवसीय श्री श्री 108 रामचरितमानस नवाह पारायण हवात्मक महायज्ञ को लेकर ध्वाजारोहण किया गया। मौके पर अयोध्या के प्रतिष्ठित, पंडित अवधेश शास्त्री के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से संपन्न किया गया। मौके पर उपस्थित समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे ने कहा महायज्ञ 28 मई कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय रामचरितमानस का संगीतमय राम कथा एवं प्रवचन हवन के साथ आरंभ कर दिया जाएगा। मौके पर उपस्थित समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे, सचिव धर्मेंद्र रमानी, कोषाध्यक्ष कार्तिक दास,उप सचिव बद्री रमानी, पंकज दुबे,मिडिया प्रभारी मुरारी मंडल,अजय साह , भैरव दास,ललन सिंह, सुकदेव रमानी, , विरेन्द्र साह, रंजन दुबे,उदय रमानी, आदि उपस्थित थे।

समीक्षात्मक बैठक में कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, विशेष अभियान चलाने का निर्देश

साहिबगंजः जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, साहेबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (BTM) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM) ने भाग लिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन, केसीसी, मिट्टी नमूना संग्रह, आरकेवीवाई-पीडीएमसी योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई।उन्होंने निर्देश दिया कि दिनांक 19.05.2025 से 30.05.2025 तक विशेष अभियान चलाकर सभी प्रखंडों में लक्ष्य अनुरूप मिट्टी नमूना संग्रह का कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ब्लॉकचेन में छूटे हुए किसानों के निबंधन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिसमें विशेष रूप से पीवीटीजी (PVTGs) समुदाय को आच्छादित करने का निर्देश दिया गया। बीज वितरण हेतु आवश्यक तैयारी पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया।बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत संकुल चयन में एसटी/पीवीटीजी

(ST/PVTGs) समुदाय को प्रमुखता देने का निर्देश दिया गया। आत्मा योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा लाभुकों के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।र-टअए योजना के अंतर्गत ब्लॉक एक्शन प्लान (Block Action Plan) बनाने की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी प्रखंडों को निर्देश दिया गया कि 02 दिनों के भीतर एक्शन प्लान बनाकर समर्पित करें। जिला कृषि पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी तकनीकी कर्मी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के किसानों को कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो, जिससे वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़कर समृद्ध बन सकें।इस अवसर पर किसान समृद्धि योजना के तहत साहेबगंज प्रखंड के 10 कृषकों एवं मंडरो प्रखंड के 2 कृषकों सहित कुल 12 कृषकों के बीच सोलर पम्प सेट का वितरण जिला कृषि पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस योजना के अंतर्गत कृषकों को 90% अनुदान पर 2HP चलंत सोलर पम्प सेट उपलब्ध कराया गया। कृषक अंशदान के रूप में अउ पम्प सेट हेतु 18075 एवं उछ पम्प सेट हेतु 18175 निर्धारित है।बैठक में मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार एवं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, BTM एवं ATM उपस्थित थे।

जेसीईआरटी सलाहकार द्वारा विद्यालयों का किया गया औचक निरीक्षण

मंडरोः झारखंड के स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग की ओर से चलाए जा रहे बैक टू स्कूल के समापन के बाद की जा रही है मॉनिटरिंग। जिसके तहत मिर्जा चौकी मध्य विद्यालय व अन्य विद्यालयों का जेसीईआरटी सलाहकार कामेशर सिंह के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया । विद्यालय का निरीक्षण के दौरान स्कूल रु आर कार्यक्रम 2025 के तहत चले अभियान में आउट ऑफ स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों को विद्यालय से फिर से जोड़ने में सफलता मिली है। मिजाचौकी मध्य विद्यालय में निरीक्षण के दौरान जेसीईटी सलाहकार कामेशर सिंह ने कहा की मिर्जाचौकी मध्य विद्यालय का परफॉर्मेंस बहुत बेहतर है। बच्चों का डाटा उपलब्ध कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार आरआउट ऑफ स्कूल बच्चों को स्कूल में जोड़ने की संबंधित गतिविधियों के अनुसरण के लिए राज्य स्तरीय टीम का गठन किया

गया है। जिसके तहत यह टीम 14 मई से 20 मई तक सभी 24 जिलों के विद्यालय अवधि में भ्रमण कर रहे हैं। वही बताया गया की टीम में शामिल प्राधिकारियों को संबंधित जिलों की कम से कम 8 विद्यालयों का भ्रमण करना होगा भ्रमण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को कम से कम एक दिन भ्रमण करना है। विद्यालय प्रबंधन समिति से जुड़े पदाधिकारि भी टीम के साथ भ्रमण करेंगे। प्रखंड स्तरीय नामित पदाधिकारियों की सत प्रतिशत उपस्थिति की जवाबदेही जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक की होगी। 27 मई तक निरीक्षण की रिपोर्ट। विद्यालयों के निरीक्षण के बाद रिपोर्ट झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को 27 मई तक देनी है। मौके पर मिर्जाचौकी मध्य विद्यालय में जिला शिक्षा अधीक्षक हर्ष कुमार, प्रधानाध्यापक छविलाल पासवान, सहायक शिक्षक अली अंसारी, इकरामुल हक, उपेंद्र रविदास समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

एम्स के निकट विवादित जमीन पर निर्माण कार्य करने पर लगी रोक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर एम्स के निकट एक विवादित जमीन पर निर्माण कार्य करने पर रोक लगा दी गई है। अनुमंडल दण्डाधिकारी का न्यायालय देवघर (सामान्य न्यायालय) के ज्ञापांक 269/डीबी दिनांक 13 मई 2025 के माध्यम से थाना प्रभारी देवीपुर को निर्माण कार्य रोक लगाते हुए आगामी दिनांक 29 मई 2025 तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश मिला है। इस संबंध में कहना है कि आवेदक रामसागर निवासी प्रकाश राउत पिता स्व शंकर राउत के द्वारा दाखिल आवेदन पर करवाई की गई है। जानकारी हो कि आवेदन में आवेदक रामसागर निवासी प्रकाश राउत उम्र 45 वर्ष पिता स्व शंकर राउत ने कहा है कि मौजा रामसागर थाना नं. 2970जमाबंदी नं.17 में जमीन है। जिसे उसके पिता शंकर राउत पिता महादेव राउत ने वर्ष 1936 में अर्जित कर कुर्फा बंदोवस्त की पुष्टि हेतु जमाबंदी रैयत महादेव राउत व अन्य ने लेख्य प्रमाणक के समक्ष लिखित दस्तावेज दिनांक 27 जनवरी 1996 को निष्पादित कर दिया। उसके पिता शंकर राउत अपने जीवनकाल में मौजा रामसागर थाना नं.297 जमाबंदी नं.17 के दाग नं.272, रकवा 33 डि. दाग नं.269 कुल रकवा 27 डि. दाग नं.370 कुल रकवा 23 डि. दाग नं.160 रकवा 07 डि. अर्थात कुल रकवा 90 डि. तथा दाग नं.161 कुल रकवा 11 डि. के दखल में आए तथा अपने जीवनकाल तक अन्य रैयतों के जानकारी में शातिपूर्वक भोग-दखल कर रहे है। दाग नं.160 के अंश रकवा 07 डि. एवं दाग नं.161 के पूर्ण भाग पर मकान, अहाता, कुआं आदि विद्यमान है। जिसपर उसके पिता के भोग-दखल में है। आवेदक के पिता शंकर राउत के मरने के उपरांत में व अन्य भाई प्रभु नारायण राउत विधिक उत्तराधिकारी व वारिसान होने के नाते उक्त संपति के दखल कब्जे में आए तथा निर्विवाद रूप से दखलकार भी है। पैतृक संपति में शंकर राउत व बासकी राउत का बटवारा नहीं हुआ है। कहा है कि पिछले सप्ताह उसे पता चला कि बासकी राउत पिता स्व. महादेव राउत निवासी ग्राम रामसागर अन्य भू-माफिया व असामाजिक तत्वों के सहयोग से गैरकानूनी रूप से मेरे जमाबंदी नं.17 के सवत्व व अधिकार की जमीन के दाग सं.17 पर अतिक्रमण कर निर्माण कर रहे। दिनांक 13 मई 2025 को वे अतिक्रमण व निर्माण को रोकने कहा तो बासकी राउत व उनके सहयोगी ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दिया। इसके बाद आवेदक ने अनुमंडल दण्डाधिकारी का न्यायालय देवघर (सामान्य न्यायालय) में मामला पहुंचाया।

स्थानांतरण होने के बाद भी लिपिक मनीष कुमार सिंह सिविल सर्जन कार्यालय में किसके आदेश पर जमे हुए हैं

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

निदेशक प्रमुख डॉक्टर सी के साही ने सिविल सर्जन देवघर से स्पष्टीकरण पूछते हुए एक सप्ताह के अन्दर स्पष्टीकरण के जवाब की मांग की है. इस संबंध में झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के राज्याध्यक्ष गोपाल शरण सिंह ने सिविल सर्जन कार्यालय देवघर के लिपिक मनीष कुमार सिंह के खिलाफ परिवाद दाखिल कर किया है. पंद्रह बिंदुओं के लगाए गए आरोप में कहा गया है कि सिविल सर्जन देवघर के पत्रांक 1607,दिनांक 17.07.24 के द्वारा मनीष कुमार सिंह का स्थानांतरण सिविल सर्जन कार्यालय देवघर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा कर दिया गया है फिर भी वे सिविल सर्जन कार्यालय देवघर में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं. स्थानांतरण होने के बाद भी मनीष कुमार सिंह किस परिस्थिति में सिविल सर्जन कार्यालय देवघर में कार्य कर रहे हैं, इस संबंध में जवाब मांगा गया है. यदि महासंघ के राज्याध्यक्ष के द्वारा लगाए सभी आरोपों की जांच की जाय तो मनीष कुमार सिंह सहित कई सिविल सर्जन सलाखों के पीछे जाएंगे. ज्ञातव्य है कि संघ के द्वारा लगातार स्थानांतरण के बाद भी सिविल सर्जन कार्यालय में अवैध तरीके से कार्य कर रहे भ्रष्टाचार के आरोपी लिपिक मनीष कुमार सिंह को सिविल सर्जन कार्यालय से हटाने की मांग जिला से लेकर राज्य स्तर पर की जा रही है. संघ के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने कहा कि यह लड़ाई मनीष कुमार सिंह को जेल भेजे जाने तक जारी रहेगी.

अनुराग गुटगुटिया ट्रस्ट का योगदानः विद्यार्थियों के लिए जल और सुरक्षा की बेहतर सुविधा

मधूपुर देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

संत जोसेफ हाई स्कूल, खलासी मोहल्ला में बीते गुरुवार को अनुराग गुटगुटिया वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा हेतु एक वाटर प्यूरिफायर सह चिलर और चापानल बोरिंग प्रदान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के निदेशक डॉ. अरुण कुमार गुटगुटिया ने स्वयं विद्यालय परिसर में इन सुविधाओं का लोकार्पण किया। भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों के लिए शुद्ध व ठंडे जल की व्यवस्था करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य रहा। बताया गया कि इसके पूर्व भी ट्रस्ट द्वारा विद्यालय परिसर में 32 सीसीटीवी कैमरों का इंस्टालेशन कराया जा चुका है, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। कार्यक्रम में विद्यालय की

प्राचार्या ने ट्रस्ट के निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि डॉ. गुटगुटिया द्वारा किये जा रहे निःस्वार्थ सहयोग वास्तव में प्रशंसनीय है। शब्दों में आभार व्यक्त करना कठिन है। इस अवसर पर लायंस क्लब मधुपुर

क्लब के अध्यक्ष लायन शौकत नाज ने जानकारी दी कि ट्रस्ट द्वारा शहर में अब तक 9 वाटर प्यूरिफायर सह चिलर दिए जा चुके हैं, जिनका रखरखाव लायंस क्लब द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि लायन गुटगुटिया का पि-

बन चुका है। सत्र 2025झ26 के होने वाले अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि धन होना अलग बात है, लेकिन निःस्वार्थ भावना और परोपकारी मन होना ही व्यक्ति को समाज में प्रेरणा का स्रोत बनाता है, और डॉ. गुटगुटिया उसी श्रेणी में आते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं शहर के कई गणमान्य नागरिक समेत लायन अटल चौरसिया (सचिव, लायंस क्लब), लायन राजेश तिवारी (कोषाध्यक्ष), लायन मंसूर आलम, लायन विनोद लछिरामका, लायन सरफराज अहमद, सत्र 2025झ26 के सचिव लायन विजय आनंद लछिरामका एवं कोषाध्यक्ष लायन रामानुज मिश्रा, रेडक्रॉस कार्यकारिणी सदस्य रामसेवक

मोहनपुर में मिड डे मील खाने से बिगड़ी बच्चों की तबीयत अस्पताल में कराया गया भर्ती

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मोहनपुरः प्रखंड के राजकीय कृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय जमुनिया में मिड डे मील खाने से स्कूली बच्चों की तबीयत बिगड़ गयी है। पेट में दर्द होने पर कई बच्चे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया तो वहीं बच्चों की तबीयत बिगड़ने से स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि हाई स्कूल जमुनिया में पढ़ने वाले बच्चों ने जैसे ही मध्यान भोजन खाया वैसे ही कुछ देर बाद बच्चों की उल्टियां शुरू कर दी और देखते ही देखते कई बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद आनन-फानन में स्कूल प्रबंधन और कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी साथ बच्चों के परिजन भी स्कूल पहुंच गए । इस मामले को लेकर विद्यालय के शिक्षक ने बताया कि एमडीएम का खाना देख रही और निगरानी में बच्चों को दिया जाता है। लेकिन इस बात की जानकारी मिल रहा है कि खाना खाने के बाद बच्चों ने किसी पेड़ का फल खाया था इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गयी ।

संक्षिप्त समाचार

संजीव हत्याकांड के आरोपी लव कुमार ने न्यायलय में किया आत्मसमर्पण

साहिबगंज: साहिबगंज के चर्चित व्यवसायी संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। इस हत्याकांड में आरोपी लव कुमार ने गुरुवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, साहिबगंज की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए साहिबगंज जेल भेज दिया है।ज्ञात हो कि 4 मई 2025 की शाम 7:30 बजे, कॉलेज रोड स्थित चैती दुर्गा मंदिर के समीप स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में घुसकर अज्ञात अपराधियों ने संजीव गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी और व्यवसायियों में भय का माहौल व्याप्त हो गया था। घटना के तुरंत बाद मृतक की मां मंजू देवी ने नगर थाना में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसे कांड संख्या 74/2025 के तहत संज्ञान में लिया गया। जांच के क्रम में पुलिस ने कुश कुमार को हिरासत में लिया, जिसके बयान के आधार पर लव कुमार का नाम इस हत्याकांड में सामने आया पुलिस ने मामले के कथित मास्टरमाइंड पंकज मंडल को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पंकज मंडल ने इस पूरी घटना की योजना बनाई थी और लव कुमार सहित अन्य आरोपियों को अंजाम तक पहुंचाने का निर्देश दिया था।

देवघर के छात्र नेता रवि वर्मा ने छात्रों की समस्या का किया समाधान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कांग्रेस छात्र संगठन देवघर एनएसयूआई के छात्र नेता रवि वर्मा ने देवघर के ए. एस. कॉलेज में छात्र/छात्राओं को एडमिट कार्ड लेने के दौरान समस्या तथा अन्य पढ़ाई के दौरान हो रही विभिन्न समस्या को देखते हुए उनका मौके पर ही समाधान किया तथा वहां उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं को छात्र नेता रवि वर्मा ने आश्वाशन दिया कि उनको पढ़ाई के दौरान किसी भी तरह की समस्या यदि हो रही हो तो वो अवगत कराए भारतीय छात्र संगठन एनएसयूआई उनकी हर समस्या का कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक समाधान करेगी।मौके पर छात्र नेता आदर्श केशरी,सैफ दानिश,पीयूष केशरी,मनीष कुमार,सुनील यादव,पिंटू यादव आदि दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा

चंदवारा संवाददाता विजय यादव

चंदवारा थाना क्षेत्र के कांड संख्या 22/2023 के तहत दर्ज दुष्कर्म मामले में आरोपी जुबैर अंसारी (20 वर्ष) को दोषी करार देते हुए कोडरमा की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय की अदालत ने 10 वर्षों के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला 15 मई 2025 को सुनाया गया। अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत दोषी पाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जुबैर अंसारी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में विवाह से इंकार कर दिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटाते हुए आरोप-पत्र दाखिल किया। लोक अभियोजक शिव शंकर राम ने गवाहों की सशक्त गवाही के आधार पर प्रभावी पैरवी की, जिसके फलस्वरूप अदालत ने यह निर्णय सुनाया। न्यायालय ने आरोपी पर 25,000 का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं देने की स्थिति में उसे 4 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

नगर में चल रहे अवैध चुलाई शराब क्या हुआ भंडाफोड़ 10 लीटर शराब जप्त

रिपोर्ट अविनाश मंडल

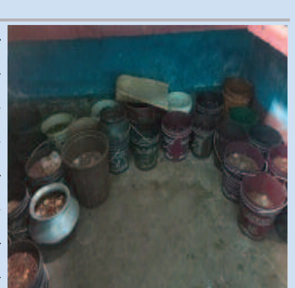

पाकुड़:पाकुड़ गुरुवार को उत्पाद विभाग की टीम ने नगर परिषद क्षेत्र स्थित किताझोर मरांगमय बेसरा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के क्रम में 10 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 230 किलो जल मिश्रित जावा महुआ बरामद किया गया। जल मिश्रित जावा महुआ को घटनास्थल पर विनिष्ट किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

सीएम स्कुल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स के सीबीएसई दसवीं बोर्ड परिणाम पर छह अव्वल छात्राएं हुए सम्मानित

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़: पाकुड़ समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, पाकुड़ एवं महेशपुर एसडीपीओ ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 6 छात्राएं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया उपायुक्त मनीष कुमार ने इस अवसर पर छात्राएं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और छात्राएं की कड़ी मेहनत की सराहना की। उपायुक्त ने सभी छात्राएं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी ऐसे ही गौरवपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दी।

लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर ने शिक्षकों को किया सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर ने झारखंड विकास हाई स्कूल,बिंगलात, सेरनदाग,टंडवा के प्रधानाचार्य विशुन साहू,शिक्षक रविन्द्र कुमार ठाकुर,दीपक कुमार,बासुदेव तिवारी,हेमंत पाण्डेय,अजय कुमार,रविन्द्र कुमार,नारायण कुमार,सूरज कुमार को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।इन शिक्षकों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र अलख जगाने एवं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उज्ज्वल भविष्य बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया जा रहा हैं।सुदूरवर्ती इलाकों के बच्चों के अभिभावकों से मिलकर शिक्षा का महत्व बताकर उनके बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिसका परिणाम आज इस सुदूरवर्ती इलाकों के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रहे है।इन सभी तथ्यों की जानकारी लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के सदस्यों को प्राप्त होने पर अपने सामाजिक दायित्व के तहत खुशी से क्लब द्वारा इस विद्यालय परिवार के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।लायंस क्लब रांची हरिकनक ग्रेटर हमेशा अच्छे कार्य करने वालों को सम्मानित करती है ताकि उनलोगों का मनोबल बढ़े। मौके पर क्लब के द्वारा बच्चों के बीच वाद विवाद,क्विज,पेंटिंग,निबंध हैंडराइटिंग आदि प्रतियोगिता आयोजित कर सफल बच्चों को सम्मानित किया गया। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिकनक ग्रेटर क्लब के अध्यक्ष राजेश केडिया ने किया। इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप मे छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष लायन शिव किशोर शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि ए.एस.एस. पी.एल.ग्रुप ऑफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांड एम्बेसडर डॉ.रोहित कुमार,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश मौजूद थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में एमजेएफ रीजन चेयरपर्सन लायन प्रेमशंकर मिश्रा,लायन अमित कुमार मिश्रा,लायन अंकित सर्राफ, लायन विजय कुमार पाठक, लायन दीपक कुमार साहू,छात्र क्लब ग्रुप के कानूनी सलाहकार सोनाली भट्टाचार्य,समाजसेवी रंजन सिंह आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिट एंड रन केस में फंसी सखी

मुंबई, सोनी सब का शो ह्यवागले की दुनिया - नई पीढ़ी, नए किस्सेह्न में सखी एक बेहद तनावपूर्ण स्थिति में फंस जाती है, जब सड़क पर रहने वाला बच्चा अचानक उसकी कार के सामने आ जाता है और दुर्घटना हो जाती है। इस हादसे से सखी बेहद घबरा जाती है। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया जाता है, लेकिन उसी दौरान हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है और आगे आने वाले एपिसोड्स में, सखी पर हिट एंड रन का मामला दर्ज किया जाता है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुँच जाती है। वागले परिवार घायल बच्चे के माता-पिता से बात करता है, इस दौरान सखी ईमानदारी से अपने सभी मेडिकल खर्चे उठाने की पेशकश करती है और यह भी पूछती है कि वह और क्या कर सकती है। लेकिन इसके बाद जो होता है, वह सबको चौंका देता है – बच्चे के माता-पिता सखी से अपने बच्चे के लिए सरोगेट माँ बनने की मांग करते हैं। अगर सखी मान जाती है, तो वे केस वापस ले लेंगे। यह अप्रत्याशित और चौंकाने वाली मांग पूरे वागले परिवार को हिला कर रख देती है। इसी बीच, अथर्व अपने तेज दिमाग से वायरल वीडियो के हर पहलू का विश्लेषण करता है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि असल में हुआ क्या था। क्या अथर्व की पड़ताल समय रहते सखी को बचा पाएगी, या फिर सखी को एक असंभव निर्णय लेना पड़ेगा?

शिक्षा और रोजगार पर कांग्रेस नेताओं ने छात्रों से किया संवाद

जमालपुर। एक तरफ जहां बिहार की गिरती तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार के दरभंगा तथा पटना जिले में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम के तहत युवा छात्रों से संवाद स्थापित किया। वहीं दूसरी तरफ बिहार के 75 विधानसभा क्षेत्र में भी कांग्रेस पार्टी की ओर से शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम के तहत कांग्रेस नेताओं ने छात्रों से संवाद स्थापित कर बिहार की शिक्षा व्यवस्था और रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास किया। मुंगेर जिला अंतर्गत जमालपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम के तहत जमालपुर शहर के मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में कांग्रेस नेताओं ने बेरोजगार युवा तथा छात्रों के बीच अपनी बातें रखी। कार्यक्रम के अध्यक्षता मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पासवान व संयोजन जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारी अध्यक्ष ईनामुल हक तथा संचालन शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साईं शंकर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेसी सुनील पवार, विशिष्ट अतिथि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नरसिंह यादव, पीसीसी सदस्य सह कांग्रेस पर्यवेक्षक मृणाल अनामे, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य प्रो डॉ देवराज सुमन मौजूद थे। शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में मुंगेर जिला तथा जमालपुर विधानसभा क्षेत्र के हिस्से आए छात्रों तथा युवा बेरोजगारों ने बिहार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राहुल गांधी के प्रयास पर चर्चा करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण होना चाहिए और आरक्षण से 50 प्रतिशत की दीवार को तोड़ा जाना चाहिए। बिहार में शिक्षा और सामाजिक न्याय की स्थिति को जनता के बीच लाने की आवश्यकता है। देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों और आदिवासियों के साथ 24 घंटे अन्याय होता है और आपको शिक्षा के सिस्टम में रोका जाता है। सही तरीके से जाति जनगणना कराई जानी चाहिए और प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी में आरक्षण लागू किया जाना चाहिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के दबाव में जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। मोदी सरकार और बीजेपी लोकतंत्र के खिलाफ है, संविधान और जाति जनगणना के खिलाफ है और भारत की 90 प्रतिशत आबादी के भी खिलाफ है। यह अडानी अंबानी की सरकार है। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामू सिंह, बिहार प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी, जिला उपाध्यक्ष सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, फर्रह शकेब, मो तारिक अनवर, अजित मालाकार, कपिलदेव शर्मा, प्रो सत्यम, मनोज यादव, प्रभाकर सिंह, बंकिम सिंह, अरविंद मालाकार, राहुल कुमार, मो शाहिद मौजूद थे।

मांडर, सड़क दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर, रिम्स रेफर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में टेड़ी पुल के निकट गुरुवार को सड़क दुर्घटना में मुर्शिदाबाद निवासी रेकाउल शेख 32 वर्ष घायल हो गया. उसे मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना दोपहर करीब दो बजे की है बताया जा रहा है कि वर्तमान में खलारी के हुटाप मोड़ में रह रहा रेकाउल शेख हुटाप से मांडर की ओर जा रहा था. इसी क्रम में ओवरटेक करने के क्रम में उसके पीछे चल रहे बाइक सवार ने ठोकर मार दिया. हादसे में रेकाउल शेख का पैर टूट गया है. जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया!

अनुमंडल दंडाधिकारी ने क्षेत्र में 15 जून तक निषेधाज्ञा लागू किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला में आगामी पर्व त्यौहार को मनाए जाने के क्रम में सामाजिक एवं बाहरी तत्वों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की आशंका है, जिससे विधि व्यवस्था की समस्या भंग होने की प्रबल संभावना हो सकती है। अनुमंडल दण्डाधिकारी, पाकुड़ साईमन मरांडी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 16.05.2025 से लेकर दिनांक-15.06.2025 तक के लिए पाकुड़ अनुमंडल अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए निम्नांकित निषेधाज्ञा लागू किया :- 01. पाँच या पाँच से अधिक की संख्या में व्यक्तियों के साथ किसी भी स्थान विशेष बिना कारण के एकत्रित होना, भ्रमण करना अथवा भीड़ लगाना निषिद्ध है। 02. किसी भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के द्वारा निषेधज्ञा क्षेत्र अंतर्गत किसी प्रकार का कोई आग्नेयास्त्र, परम्परागत हथियार तथा लाठी, डंडा, भाला, तीर-धनुष, फर्सा इत्यादि में से कोई भी हथियार लेकर चलना, भ्रमण करना, प्रर्दशन करना अथवा उसका व्यवहार किया जाना निषिद्ध है। निषिद्ध क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के साथ तथा किसी भी प्रकार का कोई जुलूस, प्रचार- प्रसार, रैली, सभा, धरना- प्रर्दशन इत्यादि का आयोजन किया जाना निषिद्ध है। 03. उक्त अवधि के दरम्यान डी०जे०/ लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध रहेगा। निषेधज्ञा का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। यह निषेधज्ञा शादी समारोह / धार्मिक अनुष्ठान / शव यात्रा/ परीक्षा का आयोजन / विधि-व्यवस्था में प्रतिनियुक्त कर्मी / पुलिस कर्मी / पदाधिकारी पर लागू नहीं होगा।

मोहनपुर के घोंघा पंचायत में मनरेगा योजना में मची लुट, भ्रष्टाचार का हो रहा खुला खेल

सड़क निर्माण से पहले, कागजों पर की गई पूरी निकासी

तिलैया मंझियाना गांव में योजना वर्ष 2022-23 कामदेव यादव घर से भीम पंडित घर तक वेदर रोड का होना था निर्माण , नहीं हुआ कार्य

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरः मोहनपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायत में मनरेगा योजना अंतर्गत एक बार फिर से सुर्खियों में है दरअसल घोंघा पंचायत में इन दिनों भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। कभी मनरेगा योजनाओं में मटेरियल के द्वारा लाभुकों की रियलिटी काटकर गवन कर लिया जाता है तो कभी योजनाओं बनाए बगैर राशि की निकासी कर बंदरबांट कर ली जाती है। लेकिन सब कुछ खुलासा होने के बाद भी आधिकारिक कार्रवाई करने की वजह अधिकारियों को बचाने में की जी जान लगा देते हैं। आपको बताते कि कुछ योजनाएं अधूरी पाए गए थे और पूर्व निकासी कर ली गई थी। पर आज तक किसी तरह का कोई कार्रवाई नहीं हुई इसका जीता जागता उदाहरण तिलैया मंझियाना गांव में योजना वर्ष 2022-23 कामदेव यादव घर से भी भीम पंडित घर तक वेदर रोड निर्माण होना था। कार्य नहीं किया गया लेकिन 394429 रुपए की निकासी की गयी है। इसको लेकर वहां के ग्रामीणों द्वारा इसकी लिखित शिकायत कई बार अधिकारियों को दी गई ।लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। भले ही सरकार एक तरफ से गांव में बेरोजगारों को योजना का लाभ देकर स्वरोजगार बनाना चाहती है लेकिन अधिकारी की मिली भगत से पैसे की निकासी कर लिया गया।इस योजना को धरातल के बजाय कागजों पर ही सीमित आने का काम कर रहे हैं। फर्जी तरीके से मनरेगा कार्य में लगाकर मोटी रकम निकाल कर अपनी तिजोरी भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।ऐसे में अब केंद्र सरकार के महात्वाकांक्षी योजना मनरेगा रोजगार गारंटी योजना भ्रष्टाचारियों के लिए आमदनी का जरिया बन चुकी है। जो वर्तमान में मनरेगा के पोर्टल पर देखा भी जा सकता है।

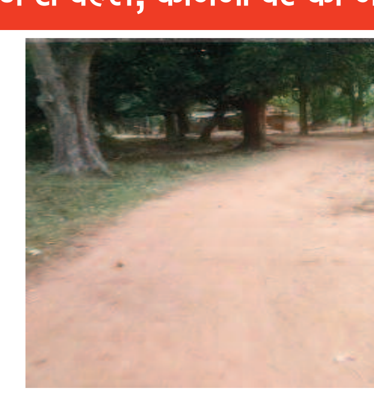

जिले में 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने हेतु भारत सरकार द्वारा एनक्यूएएस प्रमाणन

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पाकुड़ जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (NHSRC) स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के मापदंड की जांच हेतु कुल 18 स्वास्थ्य केंद्रों का एक्सटर्नल असेसर टीम द्वारा पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भ्रमण करके असेसमेंट किया गया जिसमें अब तक कुल 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) सर्टिफाइड हुआ हैं जो अमड़ापाड़ा का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़िया का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लिट्टीपाड़ा का 04 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हिरणपुर का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़ का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं महेशपुर का 01 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफाइड हो चुका हैकजिले में अभी और भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक किया जाना हैं जिसकी तैयारी पूरे जोरो पर चल रही हैं। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता जिला स्वास्थ्य विभाग की नियमित निगरानी, स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत व सेवाओं में निरंतर सुधार के प्रयासों का परिणाम है। स्वास्थ्य विभाग आने वाला समय में अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को भी इस प्रमाणन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जिले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और विस्तृत हो सके।

डीडीसी ने जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं का किया स्थल निरीक्षण

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़: पाकुड़ उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया के द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा बन रहे संपूर्ण पाकुड़िया पाईप लाइन जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम बासेतकुण्डी पंचायत के धावाडंगाल में बन रहे सम्पूर्ण पाकुड़िया प्रखंड अच्छादित पाइप लाइन ग्रामीण जलापूर्ति योजना के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कलेरी फोकलेटर की जांच की और कार्यपालक अभियंता श्री अनंत प्रसाद सिंह से इसके संबंध में जानकारी ली। कार्यपालक अभियंता द्वारा जानकारी दी गई कि हळढ का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर ली गई है। मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का , अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता दुमका, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता पाकुड़, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पाकुड़िया, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक सुमन मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी पुलिस में कांस्टेबल के 19220 पदो पर विज्ञापन जून माह में जारी हो सकता

लखनऊः यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है जल्द ही यूपी पुलिस में कांस्टेबल के 19 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां होनी हैं उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई जल्द ही इसके लिए विज्ञप्ति जारी की जाएगी सूत्रों की माने तो जून माह में यूपी कांस्टेबल भर्ती की विज्ञप्ति जारी हो सकती है लगभग 19000 से ज्यादा पदों पर भर्ती होगी पिछले साल यूपी पुलिस में सिपाही के 60 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां निकाली गई थी भर्ती बोर्ड की ओर से 27 मार्च 2025 में जारी शार्ट नोटिफिकेशन के अनुसार कांस्टेबल के कुल 19220 पदों पर भर्तियां की जानी है कांस्टेबल के अलावा यूपी पुलिस में एसआई पदों पर भी भर्तियां होनी हैं. भर्ती बोर्ड की ओर से जारी शॉर्ट नोटिस के अनुसार यूपी पुलिस में एस-ाआई के 4543 पदों पर भर्तियां की जानी हैं इन दोनों की विज्ञप्ति जल्दी जारी हो सकती है विज्ञप्ति जारी होने के बाद इन दोनो भर्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी

संजय कुमार झा ने नीतीश कुमार के विकास मॉडल पर चर्चा की

पटना , । जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने पार्टी की नवगठित राजनीतिक सलाहकार समिति की पहली बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास मॉडल से बिहार में आए बदलाव की चर्चा की। साथ ही पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और विधानसभा चुनाव- 2025 की तैयारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। इस मौके पर मंत्रीगण के साथ जद(यू) के वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहे।

भाजपा ने छपरा में भारतीय सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली

छपरा, । तिरंगा यात्रा भाजपा जिलाध्यक्ष सारण पूर्वी रंणजीत सिंह के नेतृत्व मे छपरा मे निकाला गया भारतीय सैनिकों के अदम्य स-ाहस एवं बलिदान के सम्मान में भाजपा बिहार प्रदेश के निर्देश पर भाजपा सारण के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जो राजेंद्र स्टेडियम के समीप शिशु पार्क से शुरू होकर म्युनिसिपल चौक छपरा में समापन हुआ इस तिरंगा यात्रा में सभी कार्यकर्त्ता शामिल हुए इस अवसर जदूयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ राजू लोजपा जिलाध्यक्ष दीपक सिंह भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति राकेश सिंह महामंत्री विवेक सिंह धर्मेन्द्र साह निरंजन शर्मा युवा मोर्चा राजीव सिंह धर्मेन्द्र चौहान सुमंत कुमार कृष्णा राम मोनू सिंह सहित सैकड़ो एनडीए कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

आदिगंगा पुनपुन महोत्सव पांच जून को आयोजित की जाएगी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित आदिगंगा पुनपुन मंदिर के प्रांगण में आदिगंगा पुनपुन महोत्सव 5 जून गंगा दशहरा के दिन आयोजित किया जाएगा।इस संबंध में मंदिर के महंत गंगा पुत्र देवबली सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा दशहरा के दिन आदि गंगा महोत्सव काआयोजन किया जाएगा। उस दिन सुबह सवेरे आदि गंगा पुनपुन माता की षोडशोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। दोपहर में कीर्तन मंडली के द्वारा एकपहरीय राम नाम कीर्तन का आयोजन किया गया है। अपराह्न में विधिवत उद्घाटन के पश्चात आदि गंगा पुनपुन के महिमा गरिमा पर विचार गोष्ठी एवं रात्रि में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सभी कार्यक्रम की रूपरेखा के लिए एक समिति का गठन किया गया है जिसका संयोजक आजाद कुमार को बनाया गया।आदि गंगा पुनपुन मंदिर के बारे में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित यह बिहार राज्य का पहला मंदिर है।इस मंदिर परिसर में पुनपुन माता के अलावा हनुमान जी, दुर्गा माता,विश्वकर्मा भगवान सहित एक दर्जन से अधिक देवी देवताओं की मूर्तियां है। एक ही परिसर में इतने सारी मूर्तियों का होना यह दर्शाता है कि यहां पर सनातनी परंपरा कितनी ऊर्जस्वित रही होगी। साथ-साथ यह भी बताया कि लगातार दो दशक से आयोजक मंडल द्वारा निरंतर महोत्सव किए जा रहे हैं।

बिहार ने की खेलो इंडिया की शानदार मेजबानी, खेलों को लेकर बना नया माहौल

10 हजार खिलाड़ियों और सहयोग कर्मियों के खानपान, यातायात से लेकर आवासन तक की बेहतरीन व्यवस्था

खेलो इंडिया के लिए पटना, नालंदा (राजगीर), गया, भागलपुर और बेगूसराय में की गई खास तैयारी, राज्य सरकार ने अपने स्तर पर किए सभी इंतजाम

पटना, । खेलों के राष्ट्र स्तरीय आयोजनों में बिहार का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। इसकी मुख्य वजह खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का 4 से 15 मई तक सफलतापूर्वक आयोजित होना है। सूबे के पांच शहरों पटना, नालंदा (राजगीर), गया, भागलपुर और बेगूसराय में इसके लिए खासतौर से इंतजाम किए गए थे। 28 विभिन्न विधाओं के खेलों में शामिल होने आए 10 हजार से अधिक खिलाड़ी और उनके सहयोग कर्मी के ठहरने, भोजन से लेकर उनके आवागमन के लिए राज्य सरकार के स्तर से बेहतरीन प्रबंध किए गए थे। इसकी प्रशंसा दूसरे राज्यों से आए सभी खिलाड़ियों ने भी की। इसके लिए पटना, गया, राजगीर, भागलपुर और बेगूसराय के विभिन्न होटलों से लेकर राजकीय अतिथिशाला में तमाम मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई थीं। ताकि खिलाड़ियों को किसी तरह की समस्या नहीं हो। इंडोर खेलों के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। सभी इंडोर खेल कोर्ट में गर्मी से बचने के लिए एसी से लेकर अन्य जरूरी संसाधन मुहैया कराए गए थे। बोधगया स्थित बिपार्ड में मौजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर के 30 मीटर लंबे स्वीमिंग पुल में तैयारी से संबंधित सभी प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गईं। इसी तरह यहां आयातीत रबर से खासतौर से बने जॉगिंग ट्रैक पर कुछ प्रतियोगिताएं हुईं। जिन मैदानों में मलखम, योग, थांगटा जैसे खेलों का आयोजन कराया गया था, वहां खासतौर से जर्मन हैंगर बनाए गए थे, जिससे खिलाड़ी और दर्शकों को इस भीषण गर्मी में भी समस्या नहीं हो। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खेलों को प्रोत्साहित करने की अपनी दूरदर्शी सोच के तहत युव-ाओं को इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प के तौर पर अपनाने की प्रेरणा प्रदान करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई अहम निर्णय लिए। अलग खेल विभाग बनाने से इसकी स्थापना हुई। इसके बाद सभी जिलों में खेल मैदान, स्टेडियम का कायाकल्प, पटना में पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण, राजगीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का

स्टेडियम एवं खेल परिसर समेत अन्य कई सुविधाएं तैयार की गईं। इससे खेल की आधारभूत संरचना से लेकर अन्य सभी तरह की सुविधाएं विकसित की गई। इसी का परिणाम है कि खेलो इंडिया से पहले यहां सेपक टाकरा का विश्व कप, राजगीर में महिला हॉकी का एशिया कप जैसे बेहद खास आयोजन कराए गए। बिहार की सभी पंचायतों में खेल मैदान विक-सित करने की राज्य सरकार की खास योजना का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है। ताकि पंचायत स्तर पर ही युवाओं को खेल का सीधा माहौल मिले और वे इससे लाभ ले सकें। राज्य सरकार ने करीब 4-5 वर्ष पहले मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना की घोषणा की। इसके साथ ही खेल से जुड़े तमाम आधारभूत संरचनाओं का विकास करने से लेकर सभी जरूरी सुविधाएं मुहाल करने की कवायद शुरू हुई। इससे युवाओं में खेल में बेहतर प्रदर्शन करने की ललक बढ़ी। किसी भी खेल में बेहतरीन प्रदर्शन या राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सचिवालय से लेकर जिला कार्यालयों में सहायक समेत अन्य समकक्ष पदों पर सीधे नौकरी देने की व्यवस्था की गई। इसका लाभ बड़ी संख्या में खिलाड़ी उठा रहे हैं। बिहार ने अपने दम पर इतने बड़े आयोजन के तैरारियों को संभाला। इसके लिए किसी बाहरी एजेंसी या कोई बाहरी बड़े कैटरर से मदद नहीं ली गई। जब खेलो इंडिया के आयोजन की जिम्मेदारी मिली, तो इससे जुड़े सभी बारीक पहलुओं पर फोकस करके सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के लिए अधिकारियों और पदाधिकारियों की टीम ने तमिलनाडु और उत्तराखंड राज्यों का दौरा किया। क्योंकि इन दोनों राज्यों में पिछली बार खेल के इस महासमर का आयोजन कराया गया था। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार पर भी खासतौर से ध्यान रखा गया। प्रत्येक 100 खिलाड़ी के लिए 29 किलो चिकेन, 16 किलो पनीर, 14 किलो चावल, 7 किलो दाल, 8 किलो गेहूं एवं 2 किलो मिलेट का आटा का प्रबंध किया गया था। इस मानक के आधार पर इनकी डायट का पूरा ध्यान रखा गया। पटना में स्थित पाटलिपुत्र स्टेडियम, आईएएस भवन के मैदान में जर्मन हैंगर तैयार करके भोजन का प्रबंध किया गया था। ताकि किसी को मौसम से परेशानी नहीं हो। इसके अलावा सभी खेल परिसरों में सुरक्षा के खासतौर से प्रबंध किए गए थे। 170 सदस्यों की टीम के अलावा बड़ी संख्या में चौबीस घंटे पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ताकि खेल में किसी तरह का व्यवधान पैदा नहीं हो। कई व्हाट्स एप ग्रुप समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी खिलाड़ियों और अधिकारियों को आपस में जोड़ा गया था, जिससे सूचना के आदान-प्रदान में कोई बाधा नहीं हो। भोजन, सुरक्षा से लेकर अन्य सभी महत्वपूर्ण आयोजनों से संबंधित सूचना प्रसारित करने का समुचित ध्यान रखा गया था। हर आयोजन स्थल के लिए एक-एक नोडल पदाधिकारी बनाए गए थे। खेल से जुड़ी तमाम सुविधाएं और सहूलियतें विकसित होने का सीधा असर यहां की खेल प्रतिभाओं पर भी पड़ा है। बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी निकलकर फलक पर छा गए। पिछले सात वर्षों में खेल के क्षेत्र में 620 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बार सभी 28 प्रतियोगिताओं में बिहार के खिला-ड़ियों ने कुल 36 पदक हासिल किए, जिसमें 7 गोल्ड शामिल हैं। पिछले वर्ष महज 5 पदक हासिल हुए थे, जिसमें सिर्फ दो गोल्ड थे। बिहार की रैंकिंग राष्ट्रीय स्तर पर सुधर कर 14वें स्थान पर आ गई है।

महाप्रबंधक द्वारा रेलवे सुरक्षा बल को बोलेरो, कैमरा एवं माबाईल फोन किया गया वितरित

हाजीपुर- महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के Anti Human Trafficking Unit को बेहतर प्रदर्शन हेतु 08 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाईल फोन प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अमरेश कुमार तथा मुख्य स-ुरक्षा आयुक्त के उपस्थिति में मंडलो को वितरित किया गया । विदित हो कि मानव तस्करी के विरुद्ध किये गए कार्यो को देखते हुए गृह मंत्रालय द्वारा रेलवे सुरक्षा बल की गठित मानव तस्करी के विरुद्ध इकाई (Anti Human Trafficking Unit-AHTU) के बेहतर प्रदर्शन के लिए फंड प्रदान किया गया था । इस फंड का उपयोग करते हुए 08 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाईल फोन का क्रय किया गया था । इन 08 बोलेरो में से दानापुर, धनबाद, सोनपुर तथा ड-ीडीयू को 01-01 तथा समस्तीपुर एवं मुख्यालय को 02-02 गाड़ी तथा 22 कैमरों में से दानापुर को 02, धनबाद को 06, सोनपुर को 04, डीडीयू को 04 एवं समस्तीपुर को 06 कैमरों का वितरण किया गया । इसी प्रकार 44 मोबाईल फोन में से दानापुर को 04, धनबाद को 11, सोनपुर को 08, डीडीयू को 08, समस्तीपुर को 11 तथा मुख्यालय को 02 मोबाईल फोन का वितरण किया गया।

सासाराम विधानसभा में समाप्त हुआ सामाजिक न्याय परिचर्चा का कार्यक्रम - डा सुरेश पासवान

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/रोहतास - बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि 5 मई से 14 मई 25 तक बक्सर,कैमुर एवं रोहतास ज़िला के दस विधानसभा क्षेत्रों में सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम में हैं बिहार के पूर्व मंत्री डॉक्टर सुरेश पासवान,पूर्व मंत्री सह विधायक सुरेंद्र राम,पूर्व विधायक वीजेंद्र यादव ,प्रदेश महासचिव आदिब रिजवी,युवा राजद के प्रदेश महासचिव बेलाल खान एवं श्रीमती आरती देवी युवा नेत्री के द्वारा दसो विधान सभा क्षेत्रों में पार्टी द्वारा निर्धारित विषय -पार्टी का वैचारिक उद्देश्य,संगठन ,चुनावी प्रबंधन,चुनाव अभियान के मुख्य बिंदु,एवं शोशल मीडिया प्रिंट मीडिया एवं मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा कीया गया ताकि अगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में तेजस्वी यादव जी के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनाई जा सके ।इस परिचर्चा को पंचायत से लेकर मतदान केन्द्रों तक ले जाने के लिए पार्टी संगठन के नेताओं को ज़िम्मेवारी दिया गया है।

औरंगाबाद में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। बताते चलें कि जिले में विभिन्न छात्रावास के छात्रों के साथ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने छात्र संवाद कार्यक्रम का कार्यक्रम आयोजित किया था इस कार्यक्रम का नाम शिक्षा न्याय संवाद रखा गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के तरफ से नियुक्त पर्यवेक्षक झा-रखंड सरकार के पूर्व मंत्री योगेंद्र शाव उपस्थित थे,इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री योगेंद्र शाव ने छात्रों के साथ संवाद किया और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की वकालत की,इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष भीम सिंह चौहान ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता आशुतोष कुमार सिंह ने किया ने किया और इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों के प्रति आस्था रखने का संकल्प दिया। आगे इस कार्यक्रम में नेताओं ने अनुग्रह नारायण छात्र-ावास अनुग्रह नगर एवं डॉ भीम राव अंबेडकर छात्रावास अनुग्रह नगर के भी दौरा कर वहां के छात्र छात्र-ाओ से मुलाकात की ,वहीं कपूरी ठाकुर छात्रावास कार्यक्रम में आयोजित संवाद कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद जी ने संवाद स्थापित किया,इस कार्यक्रम में कई लोगों ने कांग्रेस पार्टी के जिला कार्यकारी जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव ,चुलबुल सिंह ,इरफान अहमद, अजय कुमार सिंह, मोहम्मद बूस्टर ,बबलू सिंह, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के छात्र नेता रौशन राज ,भूलन सिंह, नितेश सिंह, निकेत सिंह, हर्ष सिंह ,पंकज कुमार, राकेश कुमार ,शेखर सिंह ,आशुतोष कुमार, रिशु कुमार, मुकुल कुमार, अंश कुमार,प्रिया स्नेहा, ज्योति, खुशबू ,आस्था, अनामिका,शिखा सिंह, नीलम कुमारी ,दीप शिखा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

कर्मचारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार बंद करें डीएम साहबः शशिकांत राय

14 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारी महासंघ का धरना व प्रदर्शन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का ओर से गुरुवार को कलेक्ट्रेट के दक्षिणी द्वार पर 14 सूत्री मांगों को लेकर धरना व प्रदर्शन किया गया। इस धरना व प्रदर्शन का नेतृत्व अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सह राज्य महासंघ के अध्यक्ष शशिकांत राय ने किया। धरना पर बैठने के पूर्व संघ के कर्मचारियों ने शहर में बैनर व पोस्टर के साथ घूमकर नारेबाजी की। महासंघ के अध्यक्ष शशिकांत राय ने कहा कि डीएम साहब कर्मचारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार को करना बंद करें। सरकारी निर्देश के विपरीत निर्धारित कार्य अवधि में ही कर्मचारियों से काम लें, 5:00 बजे शाम के बाद देर रात तक कर्मचारियों को ऑफिस में बैठाकर काम लेना बंद करें, अन्यथा हम सभी कर्मचारी आपके खिलाफ उग्र आंदोलन करने के लिए विवश हो जाएंगे। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कर्मचारी एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने में भाग लेंगे। कर्मचारियों के महत्वपूर्ण मांगों में कर्मचारियों के साथ डीएम साहब अमर्यादित व्यवहार करना बंद करने, सरकारी निर्देश के विपरीत निर्धारित कार्य अवधि के बाद देर रात तक काम नहीं लेने, छुट्टी के दिन भी कार्यालय खोलने, अपने मनमानी तरीके से कर्मचारियों का स्थानांतरण करने, सभी संवर्ग के कर्मियों को वरीयता सूची का प्रकाशन, सभी योग्य कर्मियों की सेवा संपुष्टि, सभी योग्य कर्मियों का एसीपी, एमएसीपी का ससमय लाभ देने, सभी कर्मियों को ससमय वेतन व मानदेय का भुगतान करने, विभागीय कार्रवाई को त्वरित निष्पादन, निलंबित कर्मियों का निलंबन समाप्त करने सहित 14 सूत्री मांग शामिल हैं। इस धरना में जिला मंत्री मोहन मुरारी, शंकर मोची, अनिल कुमार गुप्ता, सुनील कुमार, सुधीर गांधी, मनोज कुमार, जितेंद्र कुमार, श्रीमोद कुमार, अनुराग कुमार, सिकंदर कुमार, सहित सैंकड़ों की संख्या में महिला कर्मचारी शामिल उपस्थित थीं।

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जन सुराज पार्टी ने की बैठक, रामनरेश सिंह बनाए गए चुनाव प्रभारी

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) जन सुराज पार्टी के जिला कार्यालय में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रखंड कमेटियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार किया गया। बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पार्टी ने औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव प्रभारी की घोषणा की। इस जिम्मेदारी के लिए गोह विधान सभा से रामनरेश सिंह को चुना गया। उनके निर्वाचन पर प्रखंड अध्यक्ष धर्मराज यादव उर्फ साहब दयाल यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि रामनरेश सिंह के अनुभव से पार्टी को नई मजबूती मिलेगी। इस मौके पर किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह, पार्टी के प्रखंड सचिव रामचंद्र साहब, पूर्व मुखिया समेत अन्य कार्यकताओं ने रामनरेश सिंह को बधाई दी और उनके नेतृत्व में आगामी चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन की आशा जताई।

भारत की अनमोल धरोहर की नीलामी

>> विचार

“ नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ ब्रितानी मूल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो सांस्कृतिक महत्व की धरोहरों की नीलामी करने के कारण अक्सर विवादों में रहती है। छह साल पहले न्यूज़ीलैंड के माओरी आदिवासियों की काष्ठ कलाकृति की लगभग छह करोड़ रुपये में हुई नीलामी को लेकर विवाद हुआ था और सरकार से कलाकृति वापस लाने की मांगें की गई थीं। भगवान बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की नीलामी तो और भी विवादास्पद है। रत्नों की नीलामी विलयम पेपे के परपोते क्रिस पेपे कराना चाहते हैं जो फिल्म निर्माता हैं और हॉलीवुड में काम करते हैं। उनका कहना है कि ये रत्न भगवान बुद्ध की अस्थियों या अवशेषों का हिस्सा नहीं हैं।

शिवकान्त शर्मा

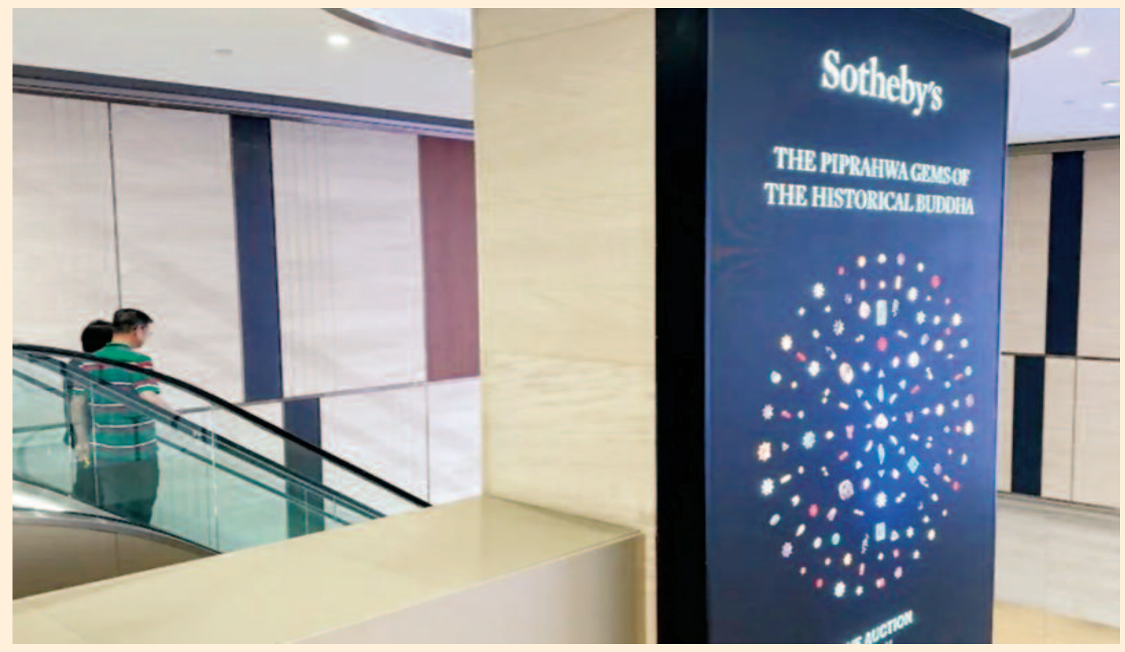

हांगकांग में होने वाली भगवान बुद्ध के अनमोल श्रद्धा रत्नों की नीलामी ने एक बार फिर इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या विश्व की अनमोल सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को नीलाम होने देना सही है? गत सप्ताह जिन 371 रत्नों और स्वर्ण एवं रजत पत्रकों की नीलामी होने वाली थी वे आज से लगभग सवा सौ साल पहले 1898 में उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर ज़िले के पिपरहवा गांव में एक बौद्ध स्तूप की खुदाई में मिले थे। पिपरहवा नेपाल की सीमा पर स्थित है और माना जाता है कि शाक्य गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु यहीं पर थी। खुदाई इस इलाक़े के ब्रितानी ज़मींदार विलियम क्रैक्सटन पेपे ने कराई थी जो पेशे से इंजीनियर थे। खुदाई में 130 फुट व्यास वाले ईंटों से बने स्तूप के भीतर पत्थर का एक संदूक मिला था जिसमें पांच पाषाण कलश थे। इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियों और भस्म के साथ 1800 से अधिक मोती, माणिक, पुखराज और नीलम जैसे रत्न और सोने व चांदी के पत्रक रखे थे जिन पर बौद्ध आकृतियां बनी हुई थीं। इनमें से एक कलश पर ब्राह्मी लिपि में प्राचीन पाली में लिखा था कि ‘इस स्मारक स्तूप में भगवान बुद्ध की वे अस्थियां विराजमान हैं जो उनके शाक्यवंशी स्वजनों को मिली थीं। कुशीनगर में भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद उनकी अस्थियां शाक्यवंशियों ने चारों दिशाओं से आए आठ गणराज्यों के प्रतिनिधियों में बांट दी थीं ताकि वे अपने-अपने यहां स्तूप बनाकर उनकी स्थापना कर सकें और अधिक से अधिक लोग उनका दर्शन करने जा सकें। इस प्रकार अस्थियां आठ गणराज्यों के स्तूपों में रखी गई थीं। माना जाता है कि पिपरहवा का स्तूप उन्हीं में से एक है जिसे एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध के शाक्यवंशियों के लिए बनवाया था। इसलिए इसे पुरातत्व की सबसे बड़ी खोजों में गिना गया। स्तूपों में बुद्ध की अस्थियों के साथ बहुमूल्य रत्न, सोने और चांदी के पत्रकों और मुद्राओं को रखने की परंपरा भी थी जिसके लिए लोग दिल खोलकर दान देते थे। विलियम पेपे ने अपने रिकॉर्ड में लिखा है कि खोज के पुरातात्विक और धार्मिक महत्व को समझते ही उन्होंने यह धरोहर ब्रितानी सरकार के हवाले कर दी थी। सरकार ने रत्नों और अस्थियों को अलग करते हुए रत्नों का छठा हिस्सा पेपे को दे दिया। बाकी बचे रत्नों और अस्थियों में से कुछ हिस्सा बौद्ध देश थाइलैंड के राजा चूडालंकरण द्वारा भेजे गए भिक्षुदूत को दिया और बाकी कोलकाता और कोलंबो के संग्रहालयों में भेज दिया था। हांगकांग में जिन रत्नों और सोने-चांदी के पत्रकों की नीलामी की कोशिश हो रही है वे वही हैं जो ब्रितानी सरकार ने विलियम पेपे को दिए थे। नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ ब्रितानी मूल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो सांस्कृतिक महत्व की धरोहरों की नीलामी करने के कारण अक्सर विवादों में रहती है। छह साल पहले न्यूज़ीलैंड के माओरी आदिवासियों की काष्ठ कलाकृति की लगभग छह करोड़ रुपये में हुई नीलामी को लेकर विवाद हुआ था और सरकार से कलाकृति वापस लाने की मांगें की गई थीं। भगवान बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की नीलामी तो और भी विवादास्पद है। रत्नों की नीलामी विलयम पेपे के परपोते क्रिस पेपे कराना चाहते हैं जो फिल्म निर्माता हैं और हॉलीवुड में काम करते हैं। उनका कहना है कि ये रत्न भगवान बुद्ध की अस्थियों या अवशेषों का हिस्सा नहीं हैं। इन्हें लोगों ने श्रद्धा स्वरूप अस्थियों के साथ रखा था। इनका कोई धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व नहीं है। उन्होंने कई बौद्ध भिक्षुओं, मठों और विद्वानों से पूछने के बाद ही इन्हें नीलाम करने का फैसला किया है ताकि ये किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था के पास चले जाएं जो इनकी सही देखभाल और सार्वजनिक प्रदर्शनी कर सके। उनका कहना है कि उनके परदादा को वही रत्न और पत्रक दिए गए थे जो संग्रह में एक से अधिक संख्या में मौजूद थे। इसलिए जिन्हें नीलाम किया जा रहा है उनके जैसे दूसरे रत्न और पत्रक कोलकाता, बैंकाक और कोलंबो के संग्रहालयों में मौजूद हैं। उनका यह भी कहना है कि उन्होंने इन्हें दान करने के लिए कई बौद्ध मठों और बौद्ध देशों के संग्रहालयों से संपर्क किया था पर कहीं से संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। लेकिन दुनियाभर के बहुत से बौद्ध मतावलंबी क्रिस पेपे के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। न ही वे नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ के इस दावे से संतुष्ट हैं कि उन्होंने इस नीलामी के सारे नैतिक और कानूनी पक्षों को नाप-तोल कर ही नीलामी करने का फ़ैसला किया था। लंदन के प्राच्यविद्या एवं अफ़्रीकी अध्ययन संस्थान (सोआस) में दक्षिण एशियाई कला के विशेषज्ञ प्रो. एशली टॉम्सन और संग्रहपाल कोनान चोंग का कहना है कि बौद्ध धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान बुद्ध के अस्थिकलशों में अस्थियों और भस्म के साथ डाले गए श्रद्धा रत्नों को अलग कैसे माना जा सकता है? वे अस्थियों के स्पर्श मात्र से उनका अभिन्न भाग बन चुके हैं। उनका वही महत्व और स्थान होगा जो उनकी अस्थियों का है। ब्रितानी महाबोधि समिति के विद्वान अमल अभयवर्धने का कहना है कि भगवान बुद्ध का उपदेश है कि दूसरों की संपत्ति उनकी अनुमति के बिना नहीं लेनी चाहिए। शाक्यवंशियों को यह धरोहर इसलिए सौंपी गई थी कि वे स्मारक बनाकर उन्हें श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजा के लिए सुलभ बना सकें। उन्होंने स्तूप बनाकर वही किया। औपनिवेशिक शासकों का पिपरहवा की खुदाई से मिली शाक्यवंशियों की सांस्कृतिक धरोहर पर मालिकाना हक कैसे हो गया? विवाद से चिंतित होकर भारत सरकार को कानूनी कार्रवाई की धमकी देनी पड़ी है जिसके बाद सोदबीज़ ने नीलामी को स्थगित कर दिया है ताकि सभी पक्षों के बीच बातचीत से कोई समाधान निकाला जा सके। पिपरहवा की खुदाई से मिले रत्न ईसा से कम से कम दो से ढाई सौ साल पुराने होने के कारण भारत से मिली प्राचीनतम सांस्कृतिक धरोहरों में गिने जाते हैं। भगवान बुद्ध के अस्थि कलशों में रखे होने के कारण उनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व उन्हें अनमोल बनाता है। बुद्ध, रामायण और गांधी भारत के सबसे बड़े वैचारिक और सांस्कृतिक निर्यात हैं। इनके विश्वव्यापी प्रभाव के सामने तूतनखामून के स्मारक से मिले पुरावशेष, एथेंस के मंदिर से मिली संगमरमर की शिल्पकृतियां और नाइजीरिया के बेनिन शहर से मिली कांस्य प्रतिमाएं कहीं नहीं ठहरतीं जिनके प्रत्यर्पण को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है। सोदबीज़ को उम्मीद है कि बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की बोली 100 करोड़ रुपये तक जा सकती है। लेकिन भगवान बुद्ध जैसे महापुरुष की अस्थियों से जुड़े रत्नों की नीलामी होना ही नैतिक आधार पर सही नहीं प्रतीत होता। क्या आप इतालवी शहर ट्यूरिन के गिरजे में रखे ईसा के कफ़न की नीलामी की कल्पना कर सकते हैं? ईसा और उनके परिवार से सीधे जुड़े अवशेषों की नीलामी नहीं की जा सकती। इसी तरह अच्छा होता कि यूनेस्को पिपरहवा के स्तूप और उसकी खुदाई से मिली पुरातात्विक सामग्री को विश्व धरोहर घोषित कर देता और इस नीलामी पर रोक लग जाती। या फिर दलाई लामा ही इसे रुकवाने और रत्नों को लौटाकर पिपरहवा में लोगों के दर्शन और पूजन के लिए रखवाने का प्रबंध करते। भारत सरकार ने 2009 में महात्मा गांधी के चश्मे, घड़ी और चप्पलों की नीलामी को रुकवाने की कोशिश की थी। अंत में विजय माल्या ने बोली लगाकर उन्हें भारत लौटाने में मदद की थी। सुना है अब भारत सरकार भगवान बुद्ध की इस अनमोल धरोहर के प्रत्यर्पण का प्रयास कर रही है जो सराहनीय कदम है।

(लेखक लंदन में पत्रकारिता संस्कृतिकर्म व अध्यापन में सक्रिय हैं।)

संपादकीय

महिलाओं की उपस्थिति उत्साहवर्धक नहीं है

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्रायः सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

राजेंद्र शर्मा

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे 'कामयाब' साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे-तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, पाक सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है। इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ-भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा। आने वाले दिनों में बार-बार दोहराने के जरिए, 'जीत' के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल-जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत-विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, द वायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज़ चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी। बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्ध विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्त्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्त्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि 'जीत' का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है। इस संघी ट्रोल सेना के मिस्त्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ-भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्त्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्त्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू कनेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है। बेशक, जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्ध विराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्ध विराम हुआ है और यह भारत के बहु-प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है। लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्ध विराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं। और इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप-शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वस्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्ध विराम में ही होता है और युद्ध जितना कम चले और युद्धविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है। इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था। लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26/11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कसाब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था। इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही रास्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है। मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही रास्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है। इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छः साल से ज्यादा से जम्मू-कश्मीर में वास्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी-पहचानी शैली है। और युद्ध के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ताकत का असंतुलन ऐसा नहीं है, जहां भारत निर्णायक सैन्य जीत हासिल कर सकता हो। उल्टे दोनों देशों के पास नाभिकीय हथियारों की मौजूदगी ने तो, परंपरागत बलों की ताकत के इस असंतुलन को बहुत हद तक पाट ही दिया है। ऐसे में 'ऑपरेशन सिंदूर' का वही हश्र होना था, जो कि हुआ है। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से उसकी नाकामी पूर्व-निश्चित थी। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम के बाद, अब भारत और पाकिस्तान, दोनों ही अपनी 'जीत' के दावे करते रह सकते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वूमन इंपावरमेंट : जिम्मेदारियों का बोझ

विजय गर्ग

औरतों के रोजमर्रा के जीवन पर आधारित फिल्म 'मिसेज' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी को दिखाया गया जिस की चाहत और सपने सिलबट्टे पर चटनी की तरह पिस कर रह गए। इस फिल्म में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे शादी के बाद एक महिला का जीवन घर की चारदीवारी में घुट कर रह जाता है। कैसे एक महिला का सारा जीवन घरपरिवार की देखभाल और किचन में ही बीत जाता है। घरेलू कामों का नाता लड़कियों के जीवन से जुड़ा हुआ है। भले ही कोई लड़की किसी समाज, परिवार में पैदा हुई हो, उसे बचपन से ही घर के कामों की शिक्षा दी जाती है यह कह कर कि उसे दूसरे घर जाना है। बुजुर्गों का कहना है कि चाहे लड़कियां कितनी ही पढ़ लिख जाएं पर अपनी ससुराल जा कर उन्हें बनानी तो रोटियां हीं हैं। सदियों से एक प्रथा चली आ रही है कि चाहे जो भी हो, घर के कामों की जिम्मेदारी तो महिलाओं की ही बनती है। उन्हें यह एहसास दिलाया जाता है कि खाना पकाना, कपड़े धोना, बरतन मांजना और घर के सभी सदस्यों का खयाल रखना महिला की ही जिम्मेदारी है। एक ही परिवार में लड़कों को पूरी आजादी दे दी जाती है और लड़कियों को रीतिरिवाजों और संस्कारों की बेड़ियों में बांध दिया जाता है। घर की जिम्मेदारियों के साथ उन्हें धार्मिक कर्मकांडों का भी हिस्सा बनना पड़ता है। आए दिन व्रतउपवास भी करने पड़ते हैं, चाहे उन की मरजी हो या न हो या चाहे वे शारीरिक रूप से कमजोर ही क्यों न हों, उन्हें अपने बेटे, पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए यह सब करना ही पड़ता है। लेकिन समाज ने पुरुषों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं बनाया है। कोई क्यों नहीं समझता शालिनी वर्किंग वूमन है। रोज सुबह 4 बजे उठ जाती है। घर का सारा काम करती है, नाश्ता बना कर, बच्चों को उठा कर उन्हें तैयार कर स्कूल भेजती है। फिर पति और सास के लिए लंच तैयार कर 9 बजे तक अपने औफिस के लिए निकल जाती है। रोज उसे औफिस जानेआने में करीब 3 घंटे लग जाते हैं। शाम को थक कर जब घर पहुंचती है तो कोई उसे एक गिलास पानी के लिए भी नहीं पूछता, उलटे वही सब के लिए चाय बनाती है और फिर रात के खाने की तैयारी में लग जाती है। उसे बिस्तर पर जातेजाते रात के 11 बज जाते हैं। यही रोज का नियम है। संडे को शालिनी घर के पैंडिंग काम निबटाती है। लेकिन घर के किसी सदस्य से उसे कोई मदद नहीं मिलती है। सब को यही लगता है कि शालिनी के 10 हाथ हैं और वह सबकुछ चुटकियों में कर लेगी। मगर वह भी एक इंसान है, वह 'थकती है, उस के भी शरीर में दर्द होता है, उसे भी आराम की जरूरत है, यह कोई नहीं समझता। शालिनी के पति का अपना बिजनैस है। उन की हार्डवेयर का दुकान है। वे 11 बजे आराम से अपनी दुकान पर जाते हैं। लेकिन शालिनी के साथ ऐसा नहीं है, उसे तो रोज टाइम से औफिस जाना होता है। वह कहती है कि मन करता है नौकरी छोड़ दूं। लेकिन बढ़ती महंगाई और फिर बच्चों की महंगी शिक्षा को देखते हुए नौकरी भी नहीं छोड़ सकती है। यह कहानी केवल शालिनी की नहीं है बल्कि दुनिया की लगभग सभी औरतों की है। खुद के लिए समय नहीं माधुरी टीचर है और पति, आलोक भी इसी फील्ड में हैं। दोनों एक ही समय स्कूल के लिए निकलते हैं और घर भी सेम टाइम पहुंचते हैं। लेकिन घर आ कर जहां आलोक टीवी खोल कर बैठ जाते हैं, फोन पर दोस्तों से हाहा, हीही करते हैं, रील्स देखते हैं, वहीं माधुरी किचन में खाना पकाने घुस जाती है, बच्चों का होमवर्क कराती है और फिर बिखरे हुए घर को व्यवस्थित करती है क्योंकि सुबह उस के पास इतना टाइम नहीं होता कि यह सब कर सके।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

श्रम संसाधन विभाग के धावा दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी के निर्देश पर श्रम अधीक्षक के नेतृत्व में श्रम संसाधन विभाग के धावा दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर ओल्ड जीटी रोड औरंगाबाद स्थित ओम बर्तन घर से एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया एवं नियोजक पर ऋक्षक्रदर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत दोषी नियोजक को 6 माह से 2 वर्ष तक के कारावास एवं 20000 से 50000/ तक जुमार्ने की सजा हो सकती है ' साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के आलोक में दोषी नियोजक से 20000/- की राशि जिला बाल कल्याण एवं पुनर्वास कोष में जमा कराया जाएगा। विमुक्त बाल श्रमिक को पुनर्वास हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष से 25000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी ' धावा दल में संजीव कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी औरंगाबाद सदर, श्री अंजनी कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, देव एवं नगर थाना से पुलिस बल के सदस्य शामिल थे।

तेज रफ्तार वाहन ने तीन युवकों को मारी टक्कर, हालत गंभीर, गया रेफर

गोह थाना क्षेत्र के जाजापुर गांव के पास देर रात हुआ हादसा

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह थाना क्षेत्र के जाजापुर गांव में बुधवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रफीगंज-गोह मुख्य पथ स्थित पेट्रोल पंप के पास की है, जहां सड़क पार कर रहे युवकों को तेज रफ्तार में आ रही अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। घायलों की पहचान जाजापुर गांव निवासी रामानंद विश्वकर्मा के पुत्र दिलीप विश्वकर्मा, श्याम नारायण साव के पुत्र मनोज कुमार और प्रमोद ठाकुर के पुत्र नीरज कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 10 बजे तीनों युवक टहलते हुए सड़क पार कर रहे थे, तभी रफीगंज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें गंभीर स्थिति को देखते हुए मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया। इस हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और अज्ञात वाहन की पहचान की कोशिश की जा रही है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तेघरा में लिया न्यायालय भवन के निर्माण स्थल का जायजा

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत गुरूवार को तेघरा व्यवहार न्यायालय पहुंचे। इस दौरान जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम महेश प्रसाद सिंह तेघरा व्यवहार न्यायालय भी उपस्थित थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तेघरा के सभी न्यायालयों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात, उन्होंने अनुमंडल व्यवहार न्यायालय तेघरा के लिए प्रस्तावित नए भवन निर्माण के लिए नक्शे के अनुसार स्थल का निरीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के समय अनुमंडल अधिवक्ता संघ एवं विधिज्ञ संघ तेघरा के अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह, राज किशोर सिंह, सचिव प्रमोद कुमार सिंह, रणजीत राय, संयुक्त सचिव कुमारी वर्षा, अनुमंडल पदाधिकारी तेघरा राकेश कुमार और अंचल अधिकारी तेघरा रवि शंकर भी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के साथ मौजूद थे। सभी ने संयुक्त रूप से प्रस्तावित स्थल का जायजा लिया। यह निरीक्षण तेघरा में न्यायिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बखरी में आठ प्रमुख स्थानों पर शीतल प्याऊ की व्यवस्था

प्रियंका कुमारी

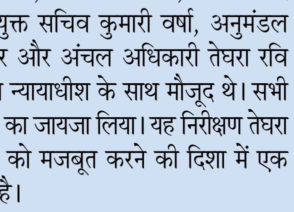

बखरी, बेगूसराय। बखरी में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए नगर परिषद ने आमजन व राहगीरों के लिए पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करते हुए नगर के आठ प्रमुख स्थानों पर शीतल प्याऊ की व्यवस्था की है। मुख्य पार्षद गीता देवी कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी को देखते हुए कारगिल चौक रामपुर, अम्बेडकर चौक, महादेव स्थान, प्रखंड कार्यालय चौक, सलौना पुस्तकालय, रेलवे स्टेशन स्थित चौक, पुरानी दुर्गा स्थान और बेगूसराय बस स्टैंड चौक जैसे व्यस्त स्थानों पर प्याऊ केंद्र बनाए गए हैं। इन प्याऊ केंद्रों पर नगर परिषद द्वारा स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जो प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराएंगे। यह कदम आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि भीषण गर्मी में किसी को भी पानी की किल्लत से न जूझना पड़े। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था गर्मी के पूरे मौसम तक जारी रहेगी। उन्होंने आमजनों से अपील की है कि पानी का सदुपयोग करें और अनावश्यक रूप से बबार्दी से बचें।

तेजस्वी यादव को इस बार सीएम बनना और युवाओं को रोजगार दिलाना राजद का संकल्प : संजय यादव

जमालपुर में आयोजित हुआ राजद का जिला संगठन निवार्ची पदाधिकारी की बैठक

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : जिले के जमालपुर में संगठनात्मक चुनाव 2025 -2028 को लेकर राजद नेता सह सुप्रीम कोर्ट के विद्वान अधिवक्ता पूर्व विधायक प्रत्याशी संजय सिंह यादव के जमालपुर स्थित आवास पर जिला संगठन निवार्ची पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी की अध्यक्षता में एकदिवसीय बैठक हुई. बैठक को संबोधित करते हुए संजय सिंह यादव ने पार्टी को मजबूत बनाने के लिए बूथ से लेकर पंचायत व प्रखंड अध्यक्ष को संगठन की मजबूती के लिए अनिवार्य जरूरी कार्यों को करने का सुझाव दिया. श्री यादव ने प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव को 2025 के चुनाव में सूबे का सीएम बनाने का आह्वान किया . वहीं मौके पर उपस्थित राजद के प्रखंड व नगर अध्यक्ष सहित अन्य प्रकोष्ठ के नेताओं ने बैठक में राजद नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सामंतवादी मत बनो समाजवादी बनो. वहीं जमालपुर राजद के नगर अध्यक्ष बमबम यादव ने कहा कि जमालपुर नगर अध्यक्ष पद पाने के

लिए विगत चुनाव में जिस तरह एक राजद नेता व उसके पुत्र पर हमला हुआ था उसकी जितनी निंदा की जाए कम है. इस घटना में समाचार संकलन के लिए पहुंचे पत्रकार भी जख्मी हो गए थे. हालांकि इस घटना को अंजाम देने वाले के विरुद्ध पार्टी के शीर्ष नेता ने कार्रवाई भी की थी .लेकिन फिर से उसे पार्टी में शामिल किया जाना चिंता की बात है. इस घटना के जिम्मेदार लोगों ने कभी भी संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए ध्यान नहीं दिया था. नगर अध्यक्ष बम बम यादव ने कहा कि वर्तमान समय में जमालपुर नगर में राजद का सांगठनिक ढांचा काफी मजबूत है. पार्टी के द्वारा चुनाव कराया जाना निहायत जरूरी है . इस अवसर पर राजद नेता अनिल भूषण, योगेंद्र प्रसाद यादव ,प्रोफेसर बी एन ठाकुर, पंकज यादव, अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव, तारापुर के राजद नेता मंटू यादव, धरहरा की पूर्व जिला परिषद सदस्य अरुणा राय , विपिन खिरहरी, जितेंद्र कुशवाहा , हिमांशु कुमार निराला सहित अन्य थे.

जिला पदाधिकारी के अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में पूर्व निर्धारित अग्रिम भ्रमण कार्यक्रम के तहत सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी / कार्यकम पदाधिकारी के साथ ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं के विस्तृत समीक्षा की गई। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में औरंगाबाद जिला को 26339 लक्ष्य प्राप्त हुआ था। प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 25247 लाभुकों को आवास स्वीकृति दी गई है। 1092 लाभुकों का अभीतक स्वीकृति लंबित है। लंबित स्वीकृति के समीक्षा में प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि 702 परिवार वैसे है जो लाभ के पत्रता नही रखते है जिनको रिमांड किया जाना है। 110 परिवार के पास जमीन नही रहने के कारण स्वीकृति लंबित है। 207 परिवार वर्तमान में अस्थायी पलायन, 8 परिवार के मृत रहने, 45 परिवार का आधार एवं 3 अन्य कारण से लंबित है। भूमिहीन परिवारों के संबंध में जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि वैसे परिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी स्वयं सत्यापन करते हुए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, औरंगाबाद कार्यालय का प्रतिवेदन समर्पित करेंगे तथा जितने भी प्राथमिकता सूची में अयोग्य परिवार है उनके एक से दो दिन में रिमांड कर दे। इसी लंबित प्रथम किस्त, द्वितीय एवं तृतीय किस्त के भुगतान में प्रगति लाते हुए आवास पूर्णता हेतु निदेश दियें गये। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे 2024 के समीक्षा में पाया गया कि दिनांक- 14.05.2025 तक 221242 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। जिसमे अनु० जाति एवं जनजाति 72481 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया कि आमजनो से शिकायत प्राप्त हो रही है कि सर्वेक्षणकर्ता द्वारा बहुत से अप्राप्त परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। निदेशक, लेखा प्रशासन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, औरंगाबाद को निदेश दिया गया कि सभी प्रखंडो से कुछ पंचायतो का औचक चयन करते हुए जिला स्तर से टीम बनाकर जॉच कराया जाय। जॉच प्रतिवेदन में अधिक संख्या में अयोग्य परिवार के सर्वेक्षण में नाम शामिल करने का शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित सर्वेक्षणकर्ता पर कड़ी कार्रवाई की जाय। तपश्चात जिला पदाधिकारी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा की गई। समीक्षा में उनके द्वारा महादलित टोला में शौचालय निर्माण करने का निदेश दिये। उन्होने ने ग्राम पंचायत स्तर पर सघन अभियान चलाते हुए शौचालय विहिन परिवारों को चिन्हित कर शौचालय से अच्छादित करने का निदेश दिया। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया कि शौचालय निर्माण के कम में जीविका दीदीयों एवंम महादलित परिवारों का खास ध्यान रखते हुए कार्य करना सुनिश्चित करें। इसी कम में उन्होने ने सभी प्रखंड समन्वयक को निदेश दिया कि सभी वार्ड में कचडा उठाव किया जाय। जहाँ पर उठाव नही हो रहा है वहाँ के मुखिया के साथ बैठक कर कार्य प्रारंभ किया जाय। बैठक में मनरेगा के समीक्षा करते हुए निदेश दिया गया कि सभी अपूर्ण खेल मैदान का कार्य पूर्ण कराया जाय साथ ही मनरेगा से लंबित कार्यों को प्राक्कलन अनुरूप पूर्ण कराना सुनिश्चित करे। इस अवसर पर श्रीमती अनन्या सिहं, उप विकास आयुक्त, औरंगाबाद, निदेशक, डी०आर०डी०ए०, जिला समन्वयक, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, लेखा पदाधिकारी, डी०आर०डी०ए०, सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, मौजूद थे।

सड़क पर कीचड़ और जलजमाव से ग्रामीण परेशान

जिम्मेदार बेखबर मोगलाही गांव की मुख्य सड़क पर भरा गंदा पानी,आवागमन में हो रही परेशानी

रिपोर्ट– अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)सरकार जहां स्वच्छता अभियान को लेकर शहर से लेकर गांव तक जागरूकता फैला रही है, वहीं गोह प्रखंड की बक्सर पंचायत अंतर्गत मोगलाही गांव में हालात बिल्कुल विपरीत नजर आ रहे हैं। गांव की मुख्य सड़क पर कीचड़ और जलजमाव ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है, जिससे रोजमर्रा के आवागमन में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क किनारे नाली की व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर बहता है, जिससे पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो गया है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक, बुजुर्ग और बच्चे इस रास्ते पर फिसलकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह गांव का मुख्य मार्ग है, लेकिन आज तक इसके निर्माण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीण रंजीत कुमार,विमलेश कुमार यादव, राज कुमार यादव, रामबिनय यादव, दीनदयाल यादव और बंगाली यादव ने बताया कि हर मौसम में यह मार्ग जलजमाव से भरा रहता है। बरसात में हालात और भी भयावह हो जाते हैं। गांव की बड़ी आबादी इस मार्ग से प्रतिदिन गुजरती है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रखंड स्तर से लेकर जिला प्रशासन तक शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

क्या कहते हैं बीडीओ

इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राजेश कुमार दिनकर ने बताया कि मोगलाही गांव की समस्या को लेकर जल्द जांच कराई जाएगी और उचित कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को समस्या से राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में दिखी युवाओं का उत्साह

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। सदर प्रखंड रजौड़ा स्थित स्तुति उत्सव महल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम कांग्रेस पार्टी और सदर बेगूसराय की पूर्व विधायक अमिता भूषण के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। कार्यक्रम की अतिथि के तौर पर आयी सोलापुर महाराष्ट्र की सांसद का जादू कांग्रेस कार्यकताओं पर सिरचढ कर बोला। युवाओं और महिलाओं की बड़ी उपस्थिति के बीच कार्यक्रम अनुशासित और निर्धारित प्रारूप से चला। राजनैतिक औपचारिकताओं के पश्चात सुश्री प्रणीती शिंदे ने दर्जनों युवाओं के शिक्षा संबंधी कौतुहल और उनके संशय का जवाब देते हुए उनसे संवाद किया। युवाओं ने जहां बिहार में शिक्षा की दयनीय स्थिति, रोजगारपरक शिक्षा का अभाव, आधारभूत संरचनाओं की कमी जैसे मुद्दे उठाये, वहीं, जीविका से जुड़ी महिलाओं, सफाई कर्मचारी आदि ने अपने वेतनमान का मुद्दा उठाया। जाति जनगणना से जुड़े मुद्दे भी उठे। जिसका जवाब सुश्री शिंदे ने बेहतर तरीके से दिया। अमिता भूषण भी कार्यक्रम कि सफलता से उत्साहित दिखी और सुश्री शिंदे सहित उपस्थित लोगों के प्रति अपना आभार जताया। सुश्री शिंदे ने बिहार के युवाओं की जी भरकर तारीफ किया और कहा कि हमारे महाराष्ट्र में बिहार से जुड़े ढेरों पदाधिकारी मिलते हैं। यहां के लोगों से मिला स्नेह अद्भुत है। संवाद कार्यक्रम के पश्चात्य अम्बेदकर नगर भर्रा में सुश्री शिंदे ने दलित संवाद भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकांत राय ने की। जबकि संचालन जावेद जाफरी और मुकेश प्रियदर्शी ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अभय कुमार सार्जन, पूर्व जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह, अभिषेक सिंह, बृजेश कुमार प्रिंस, प्रखंड अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, ओम प्रकाश सिंह, धर्मराज सहनी, अभास झा, महिला अध्यक्ष गायत्री देवी, रजनी देवी, जय प्रकाश साह, नीरज तांती, हारुन रशीद, रामानंद सिंह, नंद किशोर सिंह, नारायण सिंह, युवा अध्यक्ष राहुल कुमार, विजय राय, हरेराम सिंह, डॉ अजित, सहित तांती, भोला चौधरी, गुलशन आरा, गुनगुन कुमारी, सोनम, गोविंद, बृजेश सहनी, शशिभूषण, लक्ष्मी कुमारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बिहार सरकार ने हटाया अवकाश पर प्रतिबंध, पुलिस और असैनिक कर्मियों को राहत

पटना:बिहार सरकार ने राज्य के सभी असैनिक और पुलिस सेवा के कर्मचारियों को राहत देते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब ये कर्मचारी सामान्य परिस्थितियों में सामान्य अवकाश (casual leave) का लाभ ले सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में पूर्व में जारी उस निर्देश को वापस ले लिया गया है, जिसमें संवेदनशील परिस्थितियों के मद्देनजर अवकाश को अस्वीकार करने का निर्देश दिया गया था। प्रशासनिक पत्र संख्या-8149 (दिनांकः 08.05.2025) में दिए गए उस निर्देश को अब रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो. सोहेल ने सभी अपर मुख्य सचिव, विभागाध्यक्ष, पुलिस महानिदेशक, प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सामान्य परिस्थितियों में अवकाश पर प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। यह निर्णय सरकार के उस संवेदनशील रवैये को दशार्ता है जिसमें कर्मियों की निजी आवश्यकताओं और मानसिक स्वास्थ्य को भी अहमियत दी जाती है। इससे हजारों कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

महिलाओं को शिक्षित किए बिना कभी भी सशक्तिकरण की बात संभव नहीं: विभा कुमारी

इन्दिरा महिला शक्ति अभियानः महिलाओं को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर व स्वावलंबी

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। बिहार में कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्यव्यापी चलाए जा रहे नारी शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के निर्देश पर बछवाड़ा प्रखंड क्षेत्र के दादुपुर पंचायत में इन्दिरा शक्ति अभियान के कॉर्डिनेटर विभा कुमारी के नेतृत्व में किया गया। कॉर्डिनेटर विभा कुमारी ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के शिक्षित किए बिना कभी भी महिला सशक्तिकरण की बात नहीं की जा सकती है। शिक्षा ही एकमात्र उपाय है, जिससे कि महिला आत्मनिर्भर व स्वाबलंबी बन सकती है। एक बेहतर समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हुए आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा नौकरी में समान भागीदारी सुनिश्चित कर सकती है। जिससे वे अपने परिवार को सुदृढ़ और समृद्ध बना पाएगी।अपने घर, परिवार तथा समाज के बच्चों को भी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक परिदृश्य में भी महिलाओं को संगठन में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने जो संकल्प लिया है उसी का फलाफल है। आज कांग्रेस पार्टी संपूर्ण बिहार में महिलाओं के हित में नारी शिक्षा संवाद कार्यक्रम करवा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि समाज में रहने वाली महिलाओं को शिक्षित करने के लिए कई अन्य निःशुल्क सुविधाएं भी मुहैया करा रही है। खासकर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गरीब दास के निर्देशन में इन्दिरा शक्ति अभियान के माध्यम से संपूर्ण बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।इसके द्वारा महिलाओं के स्वरोजगार के क्षेत्र में सुविधा भी दिया जा रही है। जिससे महिलाएं शिक्षित होकर समाज में समानता स्थापित कर सके। क्योंकि गहना जेवर रूप श्रृंगार, शिक्षा बिन सब बेकार है, इसलिए आज से ही स्वयं तथा अपने आसपास के अन्य महिलाओं को भी इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लेते हुए नारी शिक्षा संवाद में अपनी महती भूमिका निभाने की अपील की। वहीं, टीम के प्रदेश कॉर्डिनेटर मिथिलेश कुमार ने भी महिलाओं से इस अभियान से जुड़ने के लिए अपील करते हुए कहा कि महिलाओं के शिक्षा में समानता के लिए कांग्रेस पार्टी ने शिक्षा के बजट में महिलाओं की भागीदारी, आरक्षण सीमा को बढ़ाने, महिला विश्वविद्यालय की स्थापना सहित अन्य मांगों को लेकर महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी जा रही है। जिसको पंचायत स्तर पर गति देने के लिए यह अभियान की शुरूआत की गयी है। जो बछवाड़ा विधानसभा में भी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गरीब दास के निर्देश पर हर वार्ड तक कार्यक्रम को संचालित कर महिलाओं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में जोनल कॉर्डिनेटर नीरज कुमार, रूपम कुमारी, गीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि जगदीश राय मुन्ना, चंदन कुमार, मंडल अध्यक्ष सुरेश राय, चन्द्रमणि कुमार, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह, कंचन देवी, सीता देवी, निभा देवी, रंजू कुमारी, रेखा देवी सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद थी।

संक्षिप्त समाचार

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव द्वारा पीड़िता को 11 लाख का मुआवजे से सम्बन्धित चेक प्रदान किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्रीमति तान्या पटेल के द्वार मोटर दुर्घटना वाद संख्या 39/2018 में मृतिक मो० नसीरुद्दीन की पत्नी जरीना खातून को ग्राम- प्राणपुर को 11 लाख का चेक प्रदान किया गया। सचिव द्वारा बताया गया की उक्त घटना दिनांक 21.12.2017 को मृतक के जो ट्रक संख्या इबी 10 एफएफ 3627 का खलासी था को ट्रक को पीछे करवाने के दौरान टेम्पू संख्या पीबी10 5039 ने धक्का मार देने के चलते मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गया था जिसके लिए मछ्रारा थाना कांड संख्या 217/17 जिला खन्ना पंजाब दर्ज किया गया थो उक्त घटना से सम्बन्धित मोटर दुर्घटना वाद को दिनांक 8-03-2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते के आधार पर निस्तारण कराया गया थो चेक प्रदान करते हुए सचिव द्वारा पीड़िता को बताया गया कि चेक से सम्बन्धित राशि को परिवार के कल्याण में लगाये तथा भविष्य के लिए अधिक से अधिक पैसे को बैक में जमा करायें जिससे कि भविष्य में किसी प्रकार की कोई परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। राष्ट्रीय लोक अदालत वादों का निस्तारण सुलह के आधार पर कराने का एक सशक्त माध्यम है जिसमें सम्बन्धित को त्वरित न्याय प्राप्त होता है

जयंती पर याद किए क्रांतिकारी सुखदेव

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। गुरूवार को शहीद स्थल पर शहीद क्रांतिकारी सुखदेव की 118वीं जयंती मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता संपूर्ण क्रांति मोर्चा जेपी सेनानी के प्रदेश अध्यक्ष व शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने की। अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी सुखदेव की 118वी जयंती पर छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को एकजुट होकर आतंकवादी के खिलाफ राय लेना चाहिए। जिस तरह चंद्रशेखर, राजगुरु, भगत सिंह, सुखदेव, उधम सिंह अनेक क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए संघर्ष करते हुए सबक सिखाया। क्रांतिकारी सुखदेव युवा होते हुए भी क्रांतिकारी पार्टी के सदस्य बनकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के सहयोगी बन गए।रमेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सुखदेव की जन्म नौघरा लुधियाना पंजाब में हुआ था। उनका पूरा नाम सुखदेव थापर था। जो हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए। डॉ राकेश ने कहा कि शहीद क्रांतिकारी सुखदेव अंग्रेजों को सबक सिखाने में अहम भूमिका अदा की। सैंडल्स की हत्या के औरों में भगत सिंह और राजगुरु के साथ उन्हें भी 1931 को फांसी दे दी गई। डॉ अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि शहीद सुखदेव अंग्रेजों से लड़ते रहे। क्रांतिकारी दल का नेतृत्व करते हुए देश की आजादी के लिए अंग्रेजों को पसीना उतार दिए। इस अवसर पर जेपी सेनानी जिला अध्यक्ष राजेंद्र महतो, पवन शर्मा रोटी बैंक सहयोग समिति, रामसागर शर्मा, गणेश गौतम, राजेश राज, मोहम्मद अताउल हक, हामिद अंसारी, मोहम्मद रिजवान तैलचित्र पर नमन करते हुए उनको याद किया।

किसी भी संगठन का कार्यकर्ता रीढ़ होता है : महेंद्र प्रसाद विद्याथी

मुंगेर जिला राजद संगठन निर्माण को लेकर बैठक का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : जिला राजद मुंगेर का संगठनात्मक स्वरूप वर्ष 2025/2028 के लिए संगठन का निर्माण पर चर्चा के बिरला ओपेन माइंड जमालपुर,मुंगेर के सभागार में मुंगेर जिला संगठन निवार्ची पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी के अध्यक्षता तथा जिला राजद अध्यक्ष के संचालन में एक दिवसीय बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला के सभी प्रखंड एवं नगर अध्यक्ष सभी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जिला संगठन के पार्टी पदाधिकारी,जिले से संबंधित प्रदेश के पदाधिकारी पूर्व प्रत्याशी तथा अन्य समर्पित नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहे. जिसमें जिला राजद प्रधान महासचिव संतोष कुमार यादव,प्रदेश महासचिव पंकज कुमार यादव,प्रमोद कुमार यादव, पूर्व प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश कुमार,संजय सिंह यादव,संजय कुमार यादव, अरुण साह,जितेंद्र कुशवाहा वरिष्ठ नेताओं में सुनील कुमार सिंह,आकाशदीप यादव,मो. आबिद हुसैन, मो. आसिफ वसीम,नागेश्वर यादव,राजेश रमन राजू,गौतम बिंद, विजय पंजीयारा, मो. रफू जमा उर्फ भोलू,अरुणा रॉय,प्रतिमा चौरसिया,रिंकी देवी, प्रखंड अध्यक्ष अशोक चौधरी,बिपिन खिरहरी,अजय दास,मनोहर यादव,मो. कौशर फैयाज,मुकेश दास,अनिल मुखिया,बमबम यादव,हिमांशु निराला,शंकर यादव,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए. परिचर्चा के मुख्य अतिथि जिला निवार्ची पदाधिकारी राजद प्रदेश पंचायती राज पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी को पूर्व प्रत्याशी संजय सिंह यादव के द्वारा अंग वस्त्र तथा गुलदस्ता से मुंगेर की धरती पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।अपने संबोधन में जिला निवार्ची पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने कहा कि किसी भी संगठन का कार्यकर्ता रीढ़ होता है. राष्ट्रीय जनता दल सामाजिक न्याय पर विश्वाश करने वाली दल और आगामी संगठन के चुनाव में सामाजिक समीकरणों का ख्याल रखते हुए संगठन स्वरूप का निर्माण किया जाएगा. इसके लिए राष्ट्रीय जनता दल कृत संकल्पित है।

मुंगेर नगर निगम में एस्टीमेट घोटाला : जांच करने पहुंची निगरानी विभाग की टीम

नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुए एस्टीमेट घोटाले की जांच करने के लिए टीम पहुंची.

निगरानी विभाग की टीम के पहुंचते ही मचा हड़कंप

टीम विभिन्न जगहों पर जाकर सड़क और नालों का निरीक्षण कर संबंधित फाइल अपने साथ लेकर गई.

सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत कुमार ने निगरानी विभाग के प्रधान सचिव को शपथ पत्र के साथ जांच की मांग की थी

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : सूबे बिहार के मुंगेर नगर निगम में विभिन्न योजनाओं में हुए एस्टीमेट घोटाला पर से पर्दा उठने की अब संभावना दिखाई पड़ने लग गई है. निष्पक्ष और बिना राजनीतिक दबाव के अगर जांच हुई तो तत्कालीन नगर आयुक्त, सहायक अभियंता, कानियअभियंता तथा संवेदक की गर्दन फंस सकती है. लेकिन वास्तविक में ऐसा हो पाएगा या नहीं? यह तो गर्भ की बात है. लेकिन गुरुवार को एस्टीमेट घोटाले की जांच करने पहुंची निगरानी विभाग की टीम से हड़कंप मच गया है.बताते चले कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुए एस्टीमेट घोटाले की जांच करने गुरुवार को निगरानी विभाग की टीम मुंगेर पहुंची और विभिन्न स्थलों पर जाकर टीम ने सड़क और नालों का निरीक्षण किया. वहीं, नगर निगम से एस्टीमेट के संदर्भ से जुड़ी फाइल को भी अपने साथ ले गए. दूसरी तरफ, निगरानी की टीम पहुंचने से नगर निगम मुंगेर में भारी पैमाने पर हुए वित्तीय अनियमितता के मामले में हड़कंप मच गया है.

बताया जाता है कि, निगरानी विभाग पटना के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम आज सुबह मुंगेर पहुंची और नगर निगम मुंगेर से जुड़े एस्टीमेट घोटाले का पड़ताल प्रारंभ किया. निगरानी की टीम ने निगम के ई-टेंडरिंग

आमंत्रण सूचना संख्या 12/ 2022-23 में हुए 56 ग्रुप के कार्य की निविदा की जांच कर रही है. जिसमें निगम प्रशासन ने शहर के ऐसे सड़क और नालों का एस्टीमेट बनाकर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की थी, जो सड़क व नाले दुरुस्त अवस्था में थे. इस मामले को लेकर प्रभात खबर ने व्यापक स्तर पर खबरों को प्रकाशित किया था. उस समय के मुंगेर के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह के निर्देश पर एक टीम ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता के नेतृत्व में टीम ने जांच भी की थी. जिसके आधार पर यह पाया गया था कि, कई ऐसे सड़कों का निर्माण किया जा रहा है जो बिलकुल दुरुस्त थी. कई ऐसे सड़कों की निविदा को रद्द भी किया गया था.

सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत कुमार ने शपथ पत्र के साथ जांच की मांग की थी

मुंगेर नगर निगम से जुड़े माफिया तंत्र ने अधिकांश सड़कों का निर्माण कर बंदरबाट किया था. इस मामले में मुंगेर के एक सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत कुमार ने निगरानी विभाग के प्रधान सचिव को शपथ पत्र के माध्यम से प्राक्कलन घोटाला की जानकारी दी थी. उन्होंने कहा था कि, जिन 56 ग्रुप की निविदा निकल गई है. उसमें 80% सड़क व नाला पूर्व से निर्मित है. बावजूद उसका प्राक्कलन बनाकर धांधली की जा रही है. उन्होंने शपथ पत्र में यह भी कहा था कि, यदि टेंडर के योजनाओं की जांच की जाए तो इसमें एक बड़ा घोटाला सामने आएगा. यहां तक कि, मुंगेर के सामाजिक कार्यकर्ता संजय केसरी ने भी इस मुद्दे को लेकर नगर निगम के समक्ष आंदोलन किया था. लेकिन, निगम प्रशासन ने इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए सड़कों का निर्माण कराया. इसी मुद्दे को लेकर निगरानी विभाग पटना की टीम मुंगेर पहुंची है और मामले की पड़ताल की जा रही है. इधर, निगरानी की टीम के पहुंचने से नगर निगम से जुड़े कर्मचारी एवं अधिकारियों में हडकंप मचा हुआ है. क्योंकि नगर निगम के योजना विभाग एवं अभियंताओं ने मिलकर ऐसे सड़कों एवं नालों का प्राक्कलन तैयार किया था, जिसके नव निर्माण की आवश्यकता ही नहीं थी. निगरानी की टीम आज विभिन्न स्थलों पर जाकर जांच कर रही है. बहरहाल, निगरानी विभाग की टीम संबंधित फाइल लेकर पटना चली गई. अब लोगों की निगाहें निगरानी विभाग पर टिकी हुई है. शहर वासियों का कहना है कि अगर निगरानी विभाग की टीम बिना राजनीतिक दबाव और निष्पक्ष जांच करें, तो नगर निगम के कई आला अधिकारी की गर्दन फंस सकता है . लेकिन, ऐसा हो पाएगा या नहीं? यह अहम सवाल मुंगेर की फिजाओं में तैर रही है

मालदा स्थानांतरित हुए सहायक नगर अभियंता गौतम कुमार को दी गई विदाई

जमालपुर। पूर्व रेलवे अंतर्गत रेल इंजन कारखाना जमालपुर के निवर्तमान सहायक नगर अभियंता गौतम कुमार को उनके स्थानांतरण पर गुरुवार को सादे समारोह के बीच सिविल इंजीनियर डिपार्मेंट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें विदाई दी गई। विदाई समारोह की अध्यक्षता वर्तमान नगर सहायक अभियंता सनातन कुमार ने किया। समारोह के दौरान मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता सह रेलवे संवेदक राजेश रमण उर्फ राजू यादव मौजूद थे। इस दौरान मौजूद रेल इंजन कारखाना जमालपुर के अधिकारियों तथा रेलवे कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से गौतम कुमार को रेलवे द्वारा सौंपे गए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। इस मालदा से स्थानांतरित होकर जमालपुर रेल कारखाना में सहायक नगर अभियंता का पदभार ग्रहण करने वाले सनातन कुमार को पुष्प गुच्छ देखकर

स्वागत किया गया। जमालपुर रेल कारखाना से स्थानांतरण पाने के बाद तत्कालीन सहायक नगर अभियंता गौतम कुमार ने कहा कि जमालपुर में कार्य करने का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। यहां सभी लोगों का सहयोग सराहनीय रहा। जमालपुर में एशिया का ऐतिहासिक कारखाना होने के कारण काम भी बहुत चुनौतीपूर्ण ढंग से करना पड़ा। ऐतिहासिक रेल कारखाना के विकास के लिए एक जुनून के साथ कार्य करने के साथ-साथ फंड का उपयोग जरूरत के हिसाब से करने का प्रयास किया। वर्तमान सहायक नगर अभियंता सनातन कुमार ने कहा कि अच्छे कार्यों को जमालपुर में बढ़ाने का काम करूंगा। रेलवे संवेदक सह सामाजिक कार्यकर्ता राजेश रमण ने कहा कि जमालपुर में रेलवे से संबंधित सिविल इंजीनियर डिपार्टमेंट की जो भी समस्या होती थी, सहायक नगर अभियंता गौतम कुमार से मिलकर कराने का काम करता रहा हूं और आगे भी नए सहायक नगर अभियंता सनातन कुमार के साथ जमालपुर के विकास के लिए कार्य करवाता रहूंगा। मौके पर मुख्य कार्यालय अधीक्षक संदीप कुमार, हरीश कुमार सिन्हा, आईओडब्लू दिनेश कुमार, जयप्रकाश कुमार, सुमित कुमार, मो कफील अहमद, सनोज कुमार एवं देवाशीष के साथ संवेदक विकास कुमार, अरुण कुमार, बासुकी पासवान, नीरज शर्मा मौजूद थे।

शिक्षकों ने योगदान को यादगार बनाने के लिए किया पौधारोपण

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के पहसारा पूर्वी पंचायत के अकहा रररऔना प्लस टू स्कूल में टीआरई थ्री के तीन शिक्षकों ने विद्यालय में गुरुवार को योगदान दिया। बच्चों ने उत्सवी माहौल में नव पदस्थापित शिक्षकों पर पुष्प वर्षाकर स्वागत किया। इस खुशी के मौके पर विद्यालय प्रांगण के वाटिका में पौधारोपण किया गया। हेडमास्टर सरोज कुमार महतो ने नवनियुक्त विद्यालय अध्यापक को योगदान कराकर उन्हें मनोयोग से पठन पाठन एवं अध्यापन कार्य करने, बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने की अपेक्षा व्यक्त किया। नव पदस्थापित शिक्षक इंदु कुमारी, राकेश कुमार और अवनीश कुमार ने पौधारोपण कर अपने पदस्थापन को यादगार बना दिया। इस दौरान उपस्थित शिक्षक और शिक्षिका सहित स्कूली बच्चों के बीच मिठाई वितरण कर मुंह मीठा कराया गया। मौके पर विनय कुमार, मनीष कुमार, अभिमन्यु कुमार पासवान सहित अन्य शिक्षक और स्कूली बच्चे शामिल थे।

फरार अभियुक्तों के घरों में पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

प्रियंका कुमारी

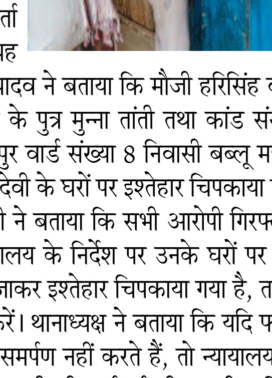

बखरी, बेगूसराय। बखरी थाना क्षेत्र के फरार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रवैया अपनाते हुए न्यायालय के आदेशानुसार उनके घरों पर इश्तेहार चिपकाया है। कांड संख्या 78/18 के तहत अभियुक्त फरार चल रहा था। इसी क्रम में अनुसंधानकर्ता एएसआई उमेश यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। एएसआई उमेश यादव ने बताया कि मौजी हरिसिंह वार्ड संख्या 2 निवासी रामविलास तांती के पुत्र मुन्ना तांती तथा कांड संख्या 388/24 के अभियुक्त शीतल रामपुर वार्ड संख्या 8 निवासी बब्लू महतो के पुत्र नीरज कुमार एवं पत्नी फुलो देवी के घरों पर इश्तेहार चिपकाया गया है।थानाध्यक्ष फैसल अहमद अंसारी ने बताया कि सभी आरोपी गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे हैं। न्यायालय के निर्देश पर उनके घरों पर सार्वजनिक रूप से ढोल व नगाड़े बजाकर इश्तेहार चिपकाया गया है, ताकि वे कानून के समक्ष आत्मसमर्पण करें। थानाध्यक्ष ने बताया कि यदि फरार अभियुक्त 30 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो न्यायालय के आदेशानुसार उनके खिलाफ कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में स्पष्ट संदेश गया है कि फरार चल रहे अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और कानून से बचना अब आसान नहीं होगा।

सही मार्गदर्शन और समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं: मोनू कुमार सिंह

सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा में विजडम विद्यापीठ के छात्रों का रहा शानदार प्रदर्शन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। विजडम विद्यापीठ के छात्रों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस वर्ष भी विद्यालय के 100 प्रतिशत छात्र-छात्रा सफल रहे। जो विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और समर्पण को दर्शाता है। विगत 9 वर्षों में सीबीएसई के दसवीं बोर्ड इग्जाम में सभी बच्चों ने सफलता अर्जित की है। जो विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। शतप्रतिशत सफलता के साथ ही 4 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है। विद्यालय की शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नीशू कुमारी ने 95.4% अंकों के

साथ न केवल विद्यालय बल्कि क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। वहीं, अजीत कुमार, सिमरन कुमारी तथा आदित्य कुमार ने भी 90% से अधिक अंक प्राप्त किया है। अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले छात्रों में प्राप्त जानकारी के अनुसार, जो 80% से अधिक नम्बर लाए हैं, उनमें प्रियांशु कुमार, विधि राज, अनुष्का कुमारी, मंतोष कुमार आदि शामिल हैं। यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के अथक प्रयास और अभिभावकों के निरंतर समर्थन का परिणाम है। विजडम विद्यापीठ हमेशा समग्र विकास पर जोर दिया है। यह परिणाम हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विद्यालय के निदेशक मोनू कुमार सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन से यह सिद्ध कर दिया कि सही मार्गदर्शन और समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। हम अपने शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह संभव हुआ। विजडम विद्यापीठ भविष्य में भी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने सभी छात्रों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दहेज का डिमांड पूरा नहीं करने पर विवाहिता की हत्या, पति गिरफ्तार

मृतक के पिता ससुराल बालों पर लगाए गंभीर आरोप

दिव्य दिनकर संवाददाता

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिला के तेतरहाट थाना क्षेत्र के नोनगढ़ गांव में दहेज की खातिर एक विवाहिता की हत्या कर दिये जाने का मामला सामने आया है. जिसमें पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. विवाहिता की शादी एक साल पूर्व हुई थी.मिली जानकारी के अनुसार नोनगढ़ निवासी सुरेश यादव के पुत्र श्यामसुंदर यादव ने 09 मई को भी अपने ससुर को फोन पर उसकी बेटी की हत्या कर नदी में फेंक देने की धमकी दिया था. इस संबंध में थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार पंडित ने बताया कि मृतका के पिता व जमुई जिले के छद्दू धनमा निवासी धोनी यादव के पुत्र शंभू यादव के लिखित

आवेदन दिया है. जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

पिछले साल हुई थी शादी

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार 14 मई 2024 को उसने अपनी पुत्री पूनम कुमारी की शादी सुरेश यादव के पुत्र श्याम सुंदर यादव से 15 लाख नकद, फ्रिज, गोदरेज, वाशिंग मशीन, बर्तन आदि लेकर हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी की थी.

आवेदन में मृतका के पिता ने जिक्र किया है कि 09 मई 2025 को उसके दामाद ने उसे फोन किया कि आपकी बेटी को मार कर नदी में फेंक देंगे. इससे पूर्व पूनम अपने पिता को बराबर फोन पर अपने परिजन द्वारा दहेज मांगने की दवाव बनाने की बात कहती थी. 13 मई 2025 को उसकी पुत्री पूनम ने फोन पर अपने परिजन को बताया कि उनके पति उनके हाथ का बनाया खाना नहीं खाते हैं. वहीं 14 मई 2025 को ग्रामीणों द्वारा फोन किया गया कि उसकी पुत्री बीमार है जब वह गांव पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी पुत्री की मौत हो चुकी थी.

पति गिरफ्तार

आवेदन में मृतका के पिता ने दावा किया है कि उसकी पुत्री को उसके पति एवं उसके परिजन ने गला दबाकर हत्या कर दी. फिलहाल पुलिस ने उसके पति श्याम सुंदर यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है.

जमालपुर मेरी कर्मभूमि, चहुँमुखी विकास के लिए कृत संकल्पित : शैलेश कुमार

पूर्व मंत्री ने विभिन्न गांवो में चलाया जनसंपर्क अभियान, लोगों की समस्या से हुए रूबरू

डॉ शशि कांत सुमन

मुंगेर : गुरुवार को पूर्व ग्रामीण कार्य मंत्री शैलेश कुमार ने धरहरा प्रखंड के जसीडीह, गोविंदपुर, मनकोठीया, खजुरिया, खर्रान्ट, भिखाकिता, लड़ैयाटांड, जतकुटिया, नयाटोला सहित दजनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान पूर्व ग्रामीण कार्य मंत्री शैलेश कुमार ने लोगों से जनसमस्याओं से रूबरू होने के साथ ही उनके निदान करने का आश्वासन दिया। मौके पर श्री कुमार ने कहा कि जमालपुर विधानसभा क्षेत्र मेरी कर्मभूमि है। इसके चहुंमुखी विकास के लिए कृत संकल्पित हूं। मैं चुनाव हार जाने के बावजूद भी क्षेत्र की जनसमस्याओं के निदान के लिए हरसंभव प्रयासरत रहता हूँ। उन्होंने कहा कि मैं अपने कार्यकाल में जमालपुर में विकास की लंबी लकीर खींचने का काम किया है।। वर्तमान। जनप्रतिनिधि को जमालपुर के विकास से कोई लेना देना नहीं है। जनसमस्याओं से जमालपुर की जनता कराह रही है। यदि आप सबों का आगामी विधानसभा चुनाव में आशीर्वाद मिला तो जमालपुर का चहुंमुखी विकास करने का काम करूंगा। मौके पर अविनाश जायसवार, पारस कुमार, पूर्व जदयू प्रखंड अध्यक्ष चिरंजीव सिंह, कंतलाल मंडल, कमलेशरी मंडल, जमालपुर के पूर्व जदयू प्रखंड दीपक सिंह, वार्ड पार्षद गौतम आजाद, अनिल यादव, महगामा पंचायत के पूर्व मुखिया अजय साह, सतीश यादव, सरपंच अजय कुमार चंद्रवंशी, शरून यादव, राज कुमार यादव, डॉ रमेश सिंह, शशि भूषण कुशवाहा, संतोष मंडल, बद्री मंडल, पवन सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ब्याज दरें और महंगाई घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति सुधरी, ग्रामीण धारणाओं में गिरावट

नई दिल्ली। ब्याज दरें और महंगाई के घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है।इसका अंदाजा शहरी उपभोक्ता धारणा सूचकांक से लगाया जा सकता है, जो लगातार दूसरे महीने बढ़कर अप्रैल में 108.8 पहुंच गया। यह एक साल में सबसे ज्यादा है। मार्च में यह 107.7 और फरवरी में 104.3 था। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से आगे धारणाओं को झटका लग सकता है। सीएमआईई के अनुसार, मार्च-अप्रैल, 2025 में शहरी धारणाओं में अच्छी वृद्धि हुई है। शहरी परिवार अपनी वर्तमान आर्थिक स्थितियों को लेकर उत्साहित दिखे और भविष्य की संभावनाओं को लेकर भी आशावादी थे। महत्वपूर्ण यह है कि धारणाओं में उछाल व्यापक आधार पर है। किसी खास व्यवसाय समूह के परिवारों तक सीमित नहीं है। व्यवसाय में लगे शहरी, वेतनभोगी परिवार और छोटे व्यापारियों व दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों की भी धारणाओं में वृद्धि हुई है। वर्तमान आर्थिक स्थितियों का शहरी सूचकांक (आईसीसी) अप्रैल में 0.8 फीसदी और मार्च में 4.5 फीसदी बढ़ा था। तीन माह में शहरी आईसीसी में एक फीसदी गिरावट आई थी।

वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटा; मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। पाम और रिफाइंड तेल आयात में कमी से वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटकर 8.91 लाख टन रह गया।सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सरसों की पेराई बढ़ने के साथ पाम तेल की मांग में कमी से तीन माह में आयात बहुत कम स्तर पर रहा।एसईए के मुताबिक, नेपाल से रिफाइंड खाद्य तेलों का आयात 60,000 से 70,000 टन मासिक है। इसने भी समग्र आयात और स्टॉक को प्रभावित किया है। अप्रैल में पाम तेल आयात 53 प्रतिशत घटकर 3.21 लाख टन रह गया। कच्चे पाम तेल का आयात 55 प्रतिशत घटकर 2.41 लाख टन रह गया। सूरजमुखी तेल आयात 23.28 प्रतिशत घटकर 1.80 लाख टन रह गया।

मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा लि. को आयकर विभाग से ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया, उससे आयकर उपायुक्त (सेंट्रल सर्कल 29), नई दिल्ली के कार्यालय से आईटी पोर्टल के जरिये 13 और 14 मई, 2025 को ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग की गई। यह मांग आयकर अधिनियम-1961 की विभिन्न धाराओं के तहत किए गए समायोजन और विभिन्न खर्च की अस्वीकृति के कारण है।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का आदेश

नई दिल्ली। उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने अमेजन इंडिया और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें अपने मंच से पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूबाय इंडिया, एट्सी, द फ्लैग कंपनी व द फ्लैग कॉरपोरेशन को भी भेजे नोटिस में कहा, पाकिस्तानी झंडों और संबंधित सामानों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने कहा, ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंच ऐसी सभी सामग्री तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें।

शक्ति पंप्स ने 2,516.2 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

नई दिल्ली।शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल), इंदौर (मध्य प्रदेश) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 2,516.2 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार किया है। इसमें वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 का शुद्ध लाभ 188.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 408.4 करोड़ रहा। इस अवसर पर एसपीआईएल के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। कंपनी ने सभी प्रमुख मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह प्रभावशाली टॉपलाइन ग्रोथ हमारे घरेलू और निर्यात दोनों व्यवसायों में शानदार प्रदर्शन के चलते संभव हुई है।

बरबेरी वैश्विक स्तर पर 1,700 की करेगी छंटनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश लग्जरी ब्रांड बरबेरी लागत में कटौती करने और कारोबार को पटरी पर लाने के लिए वैश्विक स्तर पर 1,700 नौकरियों में कटौती करेगी। 2024-25 में कंपनी को 3.45 करोड़ डॉलर का परिचालन लाभ हुआ है। कई देशों में बिक्री 9 फीसदी तक गिर गई है।

ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी हड़ताल में शामिल नहीं होगा भारतीय मजदूर संघ

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर 20 मई को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, लेकिन इस हड़ताल में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) शामिल नहीं होगा। भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री रविन्द्र हिमते ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि देश के कुछ ट्रेड यूनियन ने 20 मई को किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया है, लेकिन भारतीय मजदूर संघ इस हड़ताल में शामिल नहीं है। हिमते ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने दो लेबर कोड का समर्थन किया है, जबकि दो लेबर कोड में संसोधन करने की मांग की है। बीएमएस ने जिन दो लेबर कोड ऑन वेजेस 2019 कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 का स्वागत किया है, उनमें कोड ऑन वेजेस 2019 तथा कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 एक ऐतिहासिक कोड है, जिसमें पहली बार केंद्र सरकार के स्तर पर फ्लोर लेवल मिनिमम वेज तय करने तथा राज्य सरकारों को इसके बराबर या इससे अधिक न्यूनतम वेतन राज्यों में तय करने का अधिकार दिया गया है। इस कोड के तहत न्यूनतम वेतन में इजाफा प्रत्येक 5 साल में हो सकेगी। इससे पहले अधिसूचित रोजगार में कार्यरत मजदूर ही केवल न्यूनतम वेतन का हकदार होता था, अब इसमें बदलाव किया गया तथा कोई भी मजदूर जो 8 घंटे कहीं भी कार्य करेगा वह न्यूनतम वेतन पाने का हकदार होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 के तहत गिग एवं प्लेटफार्म कर्मी के लिए पहली बार सोशल सिक्योरिटी का प्रावधान किया गया है। इसके तहत संस्थान के द्वारा किसी कर्मचारी हेतु निर्धारित राशि का कंट्रीब्यूशन ईएसआईसी में जमा नहीं करने के बराबर में ईएसआईसी अस्पताल द्वारा श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका इलाज नहीं किया जाता था। लेकिन इस नए कोड के तहत निर्धारित कंट्रीब्यूशन की राशि यदि संस्थान के द्वारा ईएसआईसी के पास जमा नहीं की जाती है, तो भी श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका संपूर्ण इलाज ईएसआईसी हॉस्पिटल के द्वारा किया जाएगा, जो यह इस कोड की अच्छाई है। हिमते ने कहा कि उपरोक्त कारणों से भारतीय मजदूर संघ ने उपरोक्त दो लेबर कोडों का स्वागत किया है।

मेकमाईट्रिप की मजबूत छलांग: राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल राजस्व इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 20.29 करोड़ डॉलर के मुकाबले 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष25 के दौरान कंपनी की सकल बुकिंग में स्थिर मुद्रा के आधार पर 30.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 2.55 अरब डॉलर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 2.03 अरब डॉलर थी। इसी तरह राजस्व में भी 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया जबकि वित्त वर्ष 24 में 20.29 करोड़ डॉलर था। कंपनी का समायोजित परिचालन लाभ 37.9 प्रतिशत की तेज बढ़त के साथ 4.47 करोड़ डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3.24 करोड़ डॉलर था। चौथी तिमाही का कुल लाभ 2.92 करोड़ डॉलर रहा जबकि वित्त वर्ष24 की चौथी तिमाही में यह 17.19 करोड़ डॉलर था। मेकमाईट्रिप के ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मागो ने कहा, इस वित्तीय वर्ष में हमने रिकॉर्ड बुकिंग और राजस्व अर्जित किया है। यह हमारे ब्रांड की मजबूती, तकनीकी प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। हम नए ग्राहक खंडों में निवेश कर रहे हैं और व्यक्तिगत अनुभवों के ज़रिए ग्राहकों को बार-बार जोड़ने में सफल हो रहे हैं।

भारत 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले शीर्ष-6 देशों में शामिल, 5जी के मुकाबले 100 गुना तेज होगी स्पीड

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत 5जी के बाद अब 6जी तकनीक की दिशा में भी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।खास बात है कि भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है।? केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा, भारत के पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में भारत के अग्रणी नहीं बनने का कोई कारण नजर नहीं आता है। भारत 6जी-2025 सम्मेलन में मंत्री ने कहा, 6जी टेराहर्ट्ज आवृत्ति बैंड का उपयोग करेगा, जिससे डाटा हासिल करने की दर एक टेराबिट प्रति सेकंड होगी।?यह रफ्तार 5जी की तुलना में 100 गुना तेज है। उन्होंने कहा, भारत में 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। मंत्री ने कहा, भारत जैसे-जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा, वैसे-वैसे 6जी प्रौद्योगिकी के साथ इसका आगे का

रास्ता आने वाले दशकों के लिए देश की समृद्धि को परिभाषित करेगा। स्वदेशी 6जी का विकास यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा संचार भारत में ही विकसित हो और पूरी तरह सुरक्षित रहे।

एक लाख करोड़ डॉलर बढ़ जाएगी अर्थव्यवस्था

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने कहा, 6जी पूरी तरह से नए उद्योगों का निर्माण करेगा और मौजूदा व्यवसायों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। इस क्रांतिकारी परिवर्तन से 2035 तक देश की अर्थव्यवस्था में संभावित रूप से एक लाख करोड़ डॉलर का इजाफा होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे 6जी तंत्र का निर्माण करना है, जो भारत में बना हो और दुनिया भी इसका इस्तेमाल कर पाए।यह डिजाइन के मोर्चे पर पूरा सुरक्षित हो और प्रभाव में परिवर्तनकारी हो।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 182 अंक उछला

एजेंसी
नई दिल्ली। ।खुदरा और थोक महंगाई में नरमी से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 फीसदी उछल कर 81,330.56 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक यानी 0.36 फीसदी बढ़कर 24,666.90 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। कारोबार के दौरान दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं।

एशिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 65.88 डॉलर प्रति बैरल रहा।उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी टूटकर 81,148.22 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसलकर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

गुरुग्राम के ट्रंप टावर में एक ही दिन में बिके सभी 298 फ्लैट

एजेंसी
गुरुग्राम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुरुग्राम में बनने वाले ट्रंप टावर में 298 फ्लैट लांच होने पर एक ही दिन में बिक गए। गुरुग्राम के सेक्टर-69 में ट्रंप टावर-2 बन रहा है। इस टावर में कुल 298 फ्लैट बनाए जाएंगें। मंगलवार की सुबह इन फ्लैट की ऑनलाइन बिक्री शुरू की गई और शाम होते होते सभी फ्लैट बिक गए। जिस तरह से लोगों ने ट्रंप टावर में फ्लैट खरीदने में दिलचस्पी दिखाई, उससे यह भी पता चला कि लोगों को ट्रंप टावर में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए कितनी बेसब्री से इंतजार था। जैसे ही फ्लैट्स की बिक्री शुरू की गई, लोगों ने धड़ाधड़ बुकिंग शुरू कर दी। एक ही दिन में सभी 298 फ्लैट बिक गए। इनकी कीमत 3250 करोड़ बताई जा रही है। ट्रंप टावर अभी निर्माणाधीन है। काम पूरा नहीं हुआ है।वैसे तो गुरुग्राम में 200 करोड़ रुपये प्रति फ्लैट की बिक्री से इतिहास बन चुका है, लेकिन एक ही

दिन में किसी सोसायटी के इतने फ्लैट शायद पहली बार बिके हैं। माना जा रहा है कि लोगों ने इसे स्टेटस सिंबल के तौर पर भी देखा है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी में प्रॉपर्टी ले रहे हैं। इसलिए लोगों की यहां फ्लैट खरीदने में इतना ज्यादा रुचि रही। एक ही दिन में इतना फ्लैट बिक जाना बड़ी कीर्तिमान माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी के इन लग्जरी फ्लैट्स की कीमत आठ करोड़ से लेकर 15 करोड़ रुपए प्रति फ्लैट तक बताई जा रही है। फ्लैट का क्षेत्रफल 300 से 400 वर्ग गज है। यहां 125 करोड़ रुपये के पेंट हाउस भी बनाए जा रहे हैं। वर्तमान में भारत में ट्रम्प ब्रांड के पांच लग्जरी आवासीय परिसर हैं। ये मुंबई, पुणे, गुरुग्राम में दो और कोलकाता में हैं।

टावर-1 की पजेशन भी इसी महीने मिलने की संभावना

दल्ली-एनसीआर में ट्रंप टावर-1 की अभी तक पजेशन नहीं मिली है। वर्ष 2018 में इस प्रोजेक्ट के निर्माण का काम शुरू हुआ था। उसमें पूरे फ्लैट बिक चुके हैं। इसी महीने से उसमें पजेशन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्मार्ट वर्ल्ड डेवलपर्स के संस्थापक पंकज बंसल ने मीडिया को जानकारी दी कि ट्रंप टावर के फ्लैट्स की इस तरह से बिक्री से यह साफ है कि भारत में वर्ल्ड क्लास रहन-सहन को प्राथमिकता दी जा रही है। लोग बड़े प्रोजेक्ट पर दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर

जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.14 प्रतिशत गिरकर 63.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत उतरकर 66.52 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तुर्की और अजरबैजान की यात्राओं से भारतीयों का किनारा, रद्दीकरण में 250 प्रतिशत उछाल

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न हुए कूटनीतिक तनाव के बीच भारतीय यात्रियों के तुर्की और अजरबैजान की यात्रा से मुंह मोड़ने से इन देशों के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट और रद्दीकरण में 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने देश के साथ खड़े हैं। अजरबैजान और तुर्की की अनावश्यक यात्राओं से बचने की सलाह दी जाती है।' कंपनी ने इन गंतव्यों के लिए सभी प्रचार और ऑफर भी बंद कर दिए हैं। इस रुख को भारतीय यात्रा उद्योग में व्यापक समर्थन मिल रहा है। यात्रा एजेंसी कॉक्स एंड किंग्स ने दोनों देशों के पैकेज निलंबित कर दिए हैं। वहीं,

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) ने सामूहिक बहिष्कार का आह्वान करते हुए सभी एजेंसियों को इन देशों के पर्यटन को बढ़ावा न देने की सलाह दी है। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने भी इस बहिष्कार का समर्थन करते हुए कहा कि भारतीय पर्यटक हर साल तुर्की और अजरबैजान की अर्थव्यवस्थाओं में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहिष्कार एक मजबूत आर्थिक संदेश देगा। इस बीच तुर्की के पर्यटन विभाग ने भारतीयों से अपनी यात्रा योजनाएं रद्द न करने की अपील की, लेकिन यह अपील सोशल मीडिया पर 'भारतीय खून के पैसे नहीं देंगे' जैसे नारों के साथ व्यापक आलोचना का शिकार बनी। ध्यान देने वाली बात यह है कि हाल के महीनों में इन दोनों देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी गई थी। जनवरी से मई 2024 के बीच तुर्की में 34 प्रतिशत और अजरबैजान में 2.7 गुना वृद्धि हुई थी। लेकिन अब, भावनात्मक प्रतिक्रिया और देशभक्ति की भावना के चलते भारतीय यात्रियों ने स्पष्ट रुख अपनाया है, जिससे यात्रा उद्योग में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें महंगी

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से दालें महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 105 रिंगिट उबलकर 3934 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.29 सेंट गिरकर 51.19 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और

गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 150 रुपये, दाल चना 150 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 200 रुपये, उड़द दाल 100 रुपये और अरहर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई।

अनाज :अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग को दी बड़ी राहत, आयकर दर घटाई, जुलाई 2025 से ही मिलेगा फायदा

एजेंसी
नई दिल्ली। कनाडा की सरकार ने नई कैबिनेट के एलान के तुरंत बाद एक बड़ा फैसला किया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए आयकर में कटौती करने का फैसला किया है। एलान के तहत सरकार ने आयकर की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है और घटी हुई दर एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएंगी। कनाडा सरकार के इस कदम से देश के करीब 2.2 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुमान के मुताबिक दो आय वाले घरों को सालाना 840 अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार के फैसले से कनाडा के लोगों की अगले पांच वर्षों में 27 अरब डॉलर की टैक्स बचत हो सकती है।

कतर में मुकेश अंबानी की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात; वैश्विक व्यापारिक जगत में इसकी खूब चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कतर के दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद मुकेश अंबानी की उनसे यह दूसरी मुलाकात की है। इससे पहले जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। ट्रंप के साथ मुकेश अंबानी की मुलाकात की वैश्विक व्यापारिक जगत में खूब चर्चा है। यह हाई-प्रोफाइल मीटिंग वैश्विक व्यापार और कूटनीति में मुकेश अंबानी के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। गौरतलब है कि बीते कुछ सालों में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (QIA) और वहां के सॉवरेन वेल्थ फंड ने रिलायंस वेंचर्स में काफी निवेश किया है। साथ ही मुकेश अंबानी ने गूगल और मेटा जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ भी मजबूत व्यापारिक संबंध बना रखे हैं। ऐसे में यह बैठक रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और निवेश संभावनाओं को और मजबूत करती है।

ट्रंप के टैरिफ लगने के बाद रिलायंस के कारोबार पर पड़ा है असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निर्णय का मुकेश अंबानी के कारोबार पर असर पड़ा है। उनकी कंपनी रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात फिर से शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। लेकिन मार्च में ट्रंप द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद इसे रोकना पड़ा था।

ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे मुकेश और नीता अंबानी

जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने ट्रंप के साथ कैंडल लाइट डिनर में भी भाग लिया था। रात्रिभोज के दौरान दोनों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा से भी मुलाकात की थी। भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार के ट्रंप के परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं। 2017 में जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आईं तो अंबानी वहां मौजूद थे। फरवरी 2020 में जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में भारत आए थे तब भी अंबानी मौजूद थे।

अनंत-राधिका के प्री वेडिंग में भी आई थी इवांका

मार्च 2024 में गुजरात के जामनगर में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और मंगेतर राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग समारोह में भी डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी बड़ी बेटी अरेबेला रोज शामिल हुए थे। उन्होंने समारोह में पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर भाग लिया था। वे यहां तीन दिन तक रहे थे।

स्पोर्ट्सस्किल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उभरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सस्किल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रैकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्क्वैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, ÷चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स – तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है।

वाराणसी के शेख जिशान ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में ट्रिपल जंप में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

पटना/वाराणसी। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज के छात्र व उभरते हुए एथलीट शेख जिशान ने ट्रिपल जंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। शेख जिशान ने 15.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर न केवल स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि इस प्रतियोगिता में इतिहास भी रच दिया सातवें खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पटना में 04 मई से शुरू हुआ है और यह 15 मई तक चलेगा। इस आयोजन में देशभर से हजारों युवा एथलीट विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार सरकार और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेलों में भारत का नाम रोशन करना है। शेख जिशान ने ट्रिपल जंप के फाइनल में 15.66 मीटर की छलांग लगाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि %यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने इसके लिए दिन-रात मेहनत की थी, और मेरे कोच और परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।% विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जिशान इसी तरह मेहनत करते रहे, तो वह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को हराकर जीता एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग का खिताब

गुवाहाटी। पहले हाफ में किए गए चार गोलों की बदौलत पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को 4-1 से हराकर इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग 2024-25 के फाइनल का अपने नाम किया। करिश सोराम, आशीष लोहार, विकास किस्कु और उशाम थौंगाम्बा सिंह ने 11 मिनट के अंतराल में चार गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। पंजाब एफसी ने फाइनल राउंड प्लेऑफ के तीन मुकाबलों में से दो जीतकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी। उन्होंने सुदेवा दिल्ली और एफसी गोवा के खिलाफ क्रमशः 5-0 और 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था। इस दौर में उनकी एकमात्र हार एआईएफएफ फीफा टैलेंट अकादमी के खिलाफ 4-5 के नौ गोलों वाले रोमांचक मुकाबले में हुई। क्वार्टरफाइनल में पंजाब एफसी ने बंगाल फुटबॉल अकादमी को 6-2 से हराया, जबकि सेमीफाइनल में एफसी मद्रास के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। कोच रमेश गंगाराम बिस्टा के नेतृत्व में टीम ने ज़ोनल राउंड क्वालिफायर में शीर्ष स्थान हासिल कर टूर्नामेंट के फाइनल राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया था।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

यूपिया। भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी।

आईपीएल 2025: अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं।आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म

सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे।

हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण: इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

श्नाइडर को हराकर जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

रोम। इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पाओलिनी ने कहा, 'यह वास्तव में कठिन मैच था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने मुकाबला जीता, लेकिन यह एक रोलर कोस्टर था। हर कदम पर मैंने एक नई तरकीब खोजी। मैंने अंत तक संघर्ष किया। निश्चित रूप से दर्शकों ने मेरी मदद की। इसलिए मैं जीत से वास्तव में बहुत खुश हूं।'

दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की कोशिश, शिकायत दर्ज

एजेंसी

सियोल। टोटेनहम हॉटस्पर के कप्तान और दक्षिण कोरियाई फुटबॉल स्टार सोन ह्युंग-मिन ने एक महिला द्वारा झूठे गर्भावस्था के दावे को लेकर ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। यह जानकारी गुरुवार को उनकी एजेंसी 'सोन एंड फुटबॉल लिमिटेड' ने दी।

सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह पीड़ित हैं

सोन की एजेंसी ने बयान जारी करते हुए कहा, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही परिणाम सामने आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं।

महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियोल के गंगनम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है।

कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन ह्युंग-मिन

32 वर्षीय सोन ह्युंग-मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंकाने वाला है।

रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका

एजेंसी

मैड्रिड। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोर्का को 2-1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा विराम

इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पानयोल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को 'एल क्लासिको' में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड के पास यह मुकाबला जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

वैलजेंट के शुरुआती गोल से पिछड़ा मैड्रिड

मैच की शुरुआत में मल्लोर्का ने आक्रामक अंदाज़ दिखाया और 11वें मिनट में मार्टिन वैलजेंट ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से कई प्रयास हुए, लेकिन मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमन ने शानदार बचाव करते हुए पहले हाफ में जूड बेलिंघम, किलियन एम्बाप्पे और फेडे वाल्वर्डे को गोल करने से रोके रखा।

एम्बाप्पे और जैकोबो ने पलट दिया मैच

दूसरे हाफ में आखिरकार 68वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए तीन डिफेंडरों को छकाया और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस सीजन में एम्बाप्पे का 40वां गोल था। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम के 95वें मिनट में 20 वर्षीय डिफेंडर जैकोबो रामोन ने गिरती हुई गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डालकर मैड्रिड को जीत दिला दी।

अनचेलोटी की विदाई से पहले जज्बा दिखा रही है टीम

मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीज़न के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया। वहीं मल्लोर्का की टीम यूरोपीय टूर्नामेंट में क्वालिफाई करने की दौड़ में बनी हुई है और इस मैच में उसने भी दमदार खेल दिखाया। अब निगाहें गुरुवार को होने वाले बार्सिलोना बनाम एस्पानयोल मुकाबले पर होंगी, जहां जीत के साथ ही बार्सिलोना अपना 28वां ला लीगा खिताब हासिल कर सकता है।

शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेंटर ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं।

लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध

लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केकेआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है।

फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध

फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे। वे इंग्लैंड की केवल टी20 टीम में शामिल हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 6 जून से शुरू होनी है, जो आईपीएल फाइनल के तीन दिन बाद है।

आरसीबी प्लेऑफ के करीब

आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ टॉप-4 की रेस में मजबूत स्थिति में है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए अब केवल कुछ और पॉइंट्स की जरूरत है। हालांकि, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होगा, जो टीम की रणनीति को प्रभावित कर सकता है।

बरौनी की फुटबॉल क्रांति : दिल की चोट बनी जीत की विरासत

एजेंसी

बेगूसराय/पटना। बिहार के बेगूसराय की फिजाओं में फुटबॉल का रंग घुला है और यह सिर्फ फ्लाईओवर के खंभों पर लिखा एक नारा नहीं है, यह एक खामोश क्रांति की दास्तान है, जो बिहार के एक गुमनाम कोने में टूटी हड्डियों और आहत स्वाभिमान के साथ शुरू हुई थी। राजधानी पटना की भागदौड़ से दूर बरौनी के एक शांत मुहल्ले में फुटबॉल यूं ही नहीं आ गई। इसे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी यमुना भगत की विरासत के रूप में पहचाना जाने वाला यह मैदान लगभग 80 साल पहले फुटबॉल का अप्रत्याशित घर बन गया था। वहीं, इस कहानी का असली मोड़ वर्ष 1990 में आया, जब स्थानीय लड़कियों की एक अनुभवहीन और आत्मविश्वास से रहित टीम एक प्रदर्शनी मैच में मुजफ्फरपुर की धुरंधर टीम के सामने बुरी तरह हार गई। यह हार मैदान की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित मैच में सिर्फ शारीरिक चोटें नहीं दे गई बल्कि हर खिलाड़ी के आत्मसम्मान को भी गहरा आघात पहुंचा गई। कुछ लड़कियां लंगड़ाती हुई लौटीं, कुछ को स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा और सबके जख्म जिस्मानी दर्द से कहीं ज्यादा गहरे थे। उस अपमानजनक हार ने शर्मिंदगी नहीं बल्कि एक दृढ़ संकल्प को जन्म दिया। पूर्व फुटबॉलर और स्थानीय शिक्षक चंद्रशेखर, जिनकी बातों में पीढ़ियों का अनुभव झलकता है, उस दिन को याद करते हुए कहते हैं, हमें अपमानित किया गया था लेकिन हमने उस दर्द को एक मकसद में बदल दिया।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, भारत ने इंग्लैंड से घटाया फासला

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा महिला वनडे टीम रैंकिंग में सालाना अपडेट जारी कर दिया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि इंग्लैंड के मुकाबले उनकी बढ़त में चार अंकों की कमी आई है, लेकिन टीम अब भी बाकी देशों से काफी आगे बनी हुई है। यह अपडेट मई 2022 से अप्रैल 2024 के बीच खेले गए मैचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जबकि अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक खेले गए मैचों को हटाया गया है। इनमें 2022 महिला विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी शामिल हैं, जिनके नतीजे अब रैंकिंग में नहीं गिने जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया का अपराजेय प्रदर्शन: ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस

अवधि में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ दो बार 3-0 से जीत, बांग्लादेश और इंग्लैंड को भी 3-0 से हराया। इसके अलावा वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से सीरीज अपने नाम की। इसी के चलते उनकी रेटिंग 167 अंकों पर बनी हुई है।

भारत ने घटाया इंग्लैंड से फासला

इंग्लैंड इस सूची में दूसरे स्थान पर है और उसके 127 अंक हैं। भारत तीसरे पायदान पर बना हुआ है, लेकिन अब उसने इंग्लैंड से फासला 11 अंकों से घटाकर 6 अंक कर लिया है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका में एक त्रिकोणीय सीरीज़ जीती और आयरलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका को 3-0 तथा न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया।

अन्य टीमों की स्थिति

दक्षिण अफ्रीका के रेटिंग में 9 अंकों की गिरावट आई है, लेकिन वह पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम 10 अंकों की गिरावट के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई है और बांग्लादेश व पाकिस्तान ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका (यूएसए) को एकदिनी दर्जा गंवाने के कारण सूची से बाहर कर दिया गया है, और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को उनकी जगह दी गई है। हालांकि, यूएई को रैंकिंग में शामिल होने के लिए कम से कम आठ वनडे मैच खेलने होंगे।

नेशनल कैंप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और गोल करना

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज़ से पहले भारतीय कैंप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैंप में वापस आकर बहुत खुश हूं(

दिल्ली कैपिटल्स में मुस्तफिजुर रहमान की वापसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क की लेंगे जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया है। वह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह लेंगे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 6 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। उनकी गेंदबाजी शैली (बाएं हाथ से मध्यम गति और कटर गेंदों में महारत) उन्हें विशेष बनाती है, जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशान करने में सक्षम है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि मुस्तफिजुर का अनुभव और विविधता टीम को टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों में मजबूती प्रदान करेगी। इससे पहले भी वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। मुस्तफिजुर रहमान

आईपीएल में पहले से ही एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने अब तक 57 आईपीएल मैचों में 61 विकेट झटके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह टी20 प्रारूप में बांग्लादेश के लिए 106 मैचों में 132 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित कर चुके हैं। वहीं, जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली थीं और उनकी जगह भरना आसान नहीं होगा। लेकिन मुस्तफिजुर की वापसी से गेंदबाजी विभाग को संतुलन मिलने की उम्मीद है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ निशानेबाज भारतीय दल का हिस्सा

एजेंसी

पुणे/नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल शहर में 19 से 27 मई तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारत ने 36 सदस्यीय निशानेबाजी दल की घोषणा की है। इस दल में गगन नारंग द्वारा स्थापित गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ प्रतिभाशाली युवा निशानेबाज भी शामिल हैं, जो भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों में नरैन प्रणव, मुकेश नेलावली, अनुष्का ठोकर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), सग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेल्विना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) के नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षित हुए हैं- यह ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सहयोग से चलाया जा रहा एक विशेष कार्यक्रम है, जो शारीरिक, मानसिक और तकनीकी कौशल के समग्र विकास पर केंद्रित है।पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों पर गर्व है जो आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा हमारे अकादमी के मूल्यों को दर्शाती है। मुझे विश्वास है कि ये युवा भारत को गौरवान्वित करेंगे। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।'

India got the hosting rights for the ISSF Junior World Cup 2025

प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधियों की स्पर्धाएं इस प्रकार होंगी-

नरैन प्रणवः 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष एवं मिश्रित टीम

मुकेश, तनिष्क और सग्निकः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष

अनुष्का, प्राची और मेल्विनाः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3क्) जूनियर महिला

वेदांत वाघमारे: 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3P) जूनियर पुरुष

उत्साहित अनुष्का ठोकर ने कहा, गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन का मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हूं। उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं इस मंच पर देश और अपने गुरुओं को गौरवान्वित कर सकूं। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट लीप 2017 से अब तक 60 से अधिक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चुका है और इसका उद्देश्य भारत में ओलंपिक स्तर के निशानेबाज़ तैयार करना है।

चील को मिला चकमा

बहुत दिन हुए एक सीधा-सादा, नाटा और बदसूरत देहाती रहता था। उसका नाम था- हाजी बग़लोल। उसकी अजीब-सी बकरे जैसी दाढ़ी थी, जिसकी वजह से वह बिल्कुल बकरे जैसा ही दिखता था। उसने अपनी सारी ज़िन्दगी गांव में ही बिताई थी।

एक बार वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव गया। उसकी मौसी ने उसे कलेजी खाने को दी, जो उसे बहुत स्वादिष्ट लगी। उसने अपनी मौसी से कलेजी बनाने की विधि पूछी। मौसी ने विधि एक कागज़ पर लिखकर हाजी को दे दी।

हाजी बगलोल ने कागज को बहुत सम्भालकर अपनी जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो कलेजी खरीदी और उसे पॉलीथिन में डालकर हाथ में लिए अपने गांव की तरफ जा रहा था कि एक चील ने वह पॉलीथिन देख लिया। बेसब्र चील ने ग़ोर से झपटा मारा और कलेजी को लेकर उड़ गई।

पहले तो इस आकस्मिक हमले से हाजी बग़लोल घबरा गए। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा, तो ठहाका लगाकर हंस पड़ा। जिन लोगों ने यह पूरा वाकया देखा था, वे हैरान थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि गुस्सा करने के बजाए हाजी ठहाका मारकर हंस क्यों रहा है। मानो कोई बहुत खुशी की बात हो।

'एक तो चील तुम्हारे हाथ से कलेजी ले उड़ी, उस पर तुम हंस रहे हो। ऐसी क्या बात हो गई भाई?' एक आदमी ने पूछा। उसने खुशी-खुशी कहा,'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूं। बेचारी चील कलेजी तो छीन ले गई। उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में ही रह गई। अब वह चील कलेजी का करेगी क्या?

बच्चों को बिगाड़ रहे हैं मोबाइल फोन

आज मोबाइल फोन हमारी जरूरत बन गए हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मोबाइल फोन से 8 साल के बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो रही है। यह अध्ययन से 15 साल के एक हजार बच्चों पर बेस्ड है। इसमें यह पाया गया कि इनमें से आधे बच्चों के पास आईफोन जैसे स्मार्टफोन थे। ज्यादातर बच्चों ने कहा कि ये फोन उन्हें उनके माता पिता ने दिए हैं।

ये बच्चे इन मोबाइलों का इस्तेमाल हिंसक और पॉर्न कंटेट देखने में करते हैं। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के 12 लाख बच्चे मोबाइलों पर गलत सामग्री देखते हैं। कारफोन वेयरहाउस के सर्वे के मुताबिक दस में से करीब 9 बच्चों के मोबाइल पर सिक्योरिटी सेटिंग नहीं थी और 46 पर्सेंट इस बात से अंजान थे कि मोबाइल में सिक्योरिटी सेटिंग होना जरूरी है। इनमें 27 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि उन्हें अनवॉन्टेड कॉल्स और मेसेज रिसीव होते हैं। चाइल्ड साइकॉलोजिस्ट प्रफेसर तान्या बायरॉन जो कि यूके सरकार को चाइल्ड इंटरनेट सेफ्टी लागू करने की सलाह दे चुके हैं, उनके मुताबिक इंटरनेट के जमाने में इस स्टडी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे मोबाइल फोन यूज करते हैं, जिनमें इंटरनेट एक्सेस होता है तो आपको संभलने की जरूरत है।

कहां से आया फलों का राजा आम

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था।

कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लङ्डू, पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबदीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम की कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनू' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनूं नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्टा है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद मीठा है। 'ऐग मैंगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कक्डन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कोंकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

कितने सारे टीचर्स!!!

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारे सब शामिल हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। अब आप सोच रहे होंगे, ये तो हमें मालूम है, तो फिर क्यों बताया जा रहा है। पर दोस्तो, क्या आपने अपने आस-पास मौजूद इन तत्वों से कुछ सीखने की कोशिश की है। क्या?..ये क्या सिखाएंगे!!! ये तो बोलते ही नहीं है। अरे ये बिना बोले ही काफी कुछ कह जाते हैं। बस जरूरत है इनको ध्यान से सुनने की। आइए हम लेकर चलते हैं आपको इन सबसे मिलवाने और इनसे दोस्ती भी करवाने..।

कुछ कहते हैं ये पेड़-पौधे

हमारी धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं। बस इतना जानते हैं आप। इनके वो गुण भी देखिए, जिनसे अब तक आप अनजान थे।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात्र थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचेंडरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।

'झनक' में आया 20 साल का लीप, क्या शो से

हिबा नवाब

की हो जाएगी छुट्टी?

टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सारे ऐसे सीरियल बनाए जाते हैं, जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं. उन्हीं में से एक कहानी झनक की भी है, जिसमें लीड रोल में हिबा नवाब और कुशाल आहूजा हैं. इस सीरियल को काफी सारे लोग पसंद करते हैं. हालांकि, अब इस सीरियल की कहानी में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके चलते खबर आ रही है कि हिबा भी शो से जल्द ही अलविदा कहने वाली हैं.झनक के मेकर्स सीरियल में बड़ा बदलाव लाने के लिए 20 साल का लीप लाने वाले हैं. लीप की वजह से काफी सारे बदलाव होने वाले हैं, हालांकि शो से जुड़ी नई रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि हिबा नवाब अब इस शो का हिस्सा नहीं होगी. हालांकि, इस खबर से झनक के साथ ही साथ हिबा के फैंस को भी झटका लगा है. हिबा के साथ ही साथ शो के और भी कई सारे एक्टर्स शो से बाहर होने वाले हैं.

कई एक्टर्स होंगे बाहर

टाइम्स नाउ के मुताबिक, हिबा ने पोर्टल से शो के बारे में बात करते हुए इस बात की कंफर्मेशन दी है कि वो इस सो को छोड़ रही हैं. हिबा ने कहा, 'झनक में लीप आने वाला है, लीप आने के बाद मैं इस शो का हिस्सा नहीं हूं. आने वाले वक्त में शो के किरदारों की बढ़ती उम्र दिखाई जाएगी, ऐसे में शो के मेकर्स ने कुशाल अहूजा, हिबा और चांदनी शर्मा को शो से बाहर होने के लिए कह दिया है.

फैंस हो गए हैं निराश

हाल ही में इंडिया फोरम की रिपोर्ट में शो के लीप की पुष्टि की थी. हालांकि, झनक के किरदार में लोग हिबा को काफी पसंद करते थे. ये खबर सामने आने के बाद से फैंस में निराशा फैल गई है. इस शो के जरिए हिबा ने लोगों के बीच अपनी कमाल की पहचान बनाई है. हालांकि, शो में लीप आने के बाद से ये देखना काफी मजेदार होने वाला है कि मेकर्स का ये नया ट्विस्ट लोगों को पसंद आता है भी या नहीं.

शो में हुई भैंसों की एंट्री

निया शर्मा

को याद आ गई नानी, चिल्ला-चिल्ला कर हुआ बुरा हाल

कलर्स टीवी के मजेदार रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' के आने वाले एपिसोड में कुछ खास मेहमानों की एंट्री होने वाली है. ये खास मेहमान आमतौर पर शो में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी एक्टर्स से बिल्कुल ही अलग हैं. दरअसल चार पैर और एक पूछ वाले ये मेहमान कोई और नहीं

बल्कि 3 भैंस है. जी हां, लाफ्टर शो के सेट पर भैंसों की एंट्री होने वाली है. शो नए प्रोमो में शो के जज हरपाल सिंह शो में शामिल सेलिब्रिटीज को ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि सभी कंटेस्टेंट्स को अब भैंस का दूध भी निकालना होगा. उनकी बात सुनकर शो में शामिल कृष्णा अभिषेक, अंकिता लोखंडे, निया शर्मा और रीम शेख जैसे सभी सितारे हैरान रह जाते हैं.

निया शर्मा तो भैंस के पास बैठकर डर के मारे रोने और चिल्लाने लगती हैं. वो कहती हैं कि कहीं भैंस उन्हें उठाकर ही न फेंक दे. वहीं, जब अंकिता लोखंडे भैंस का दूध निकालने की कोशिश करती हैं, तब कृष्णा अभिषेक उनका मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि खदान से कोयला तो बहुत निकाला है, अब दूध निकालो भैया. दरअसल अंकिता के पति विक्की जैन का कोयले के खदान का बिजनेस है. सिर्फ निया शर्मा ही नहीं शो की होस्ट भारती सिंह भी भैंसों को देखकर थोड़ी डरी हुई नजर आती हैं.

सीजन 2 में शामिल हैं कई नए चेहरे

कलर्स का कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' का ये नया सीजन सिर्फ खाना बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हंसी-मजाक के साथ इस शो के हर एपिसोड में ढेर सारा ड्रामा भी देखने को मिलता है. इस शो का पहला सीजन सुपरहिट होने के बाद मेकर्स ने 'लाफ्टर शेफ' के दूसरे सीजन के साथ टीवी पर कमबैक किया है. लेकिन इस शो के सीजन 2 की शुरुआत में भारती सिंह, राहुल वैद्य, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, सुदेश लहरी के अलावा नए चेहरों को इस शो के लिए कास्ट किया गया था. इन नए चेहरों में एल्विश यादव, अब्दु, मन्नारा चोपड़ा, अभिषेक शर्मा और समर्थ जुरेल जैसे एक्स-बिग बॉस कंटेस्टेंट भी शामिल हैं.

कार एक्सीडेंट के बाद शतरंज खेलते-सुर लगाते नजर आए पवनदीप राजन, खुश हुए फैंस

'इंडियन आइडल 12' के विनर पवनदीप राजन का हाल ही में बहुत बड़ा कार एक्सीडेंट हो गया था. लेकिन अब वो पूरी तरह से खतरे से बाहर हैं. दरअसल अस्पताल में दाखिल करने के बाद पवनदीप की कई सर्जरी हो चुकी है. सर्जरी के बाद वो पहले से बहुत बेहतर महसूस कर रहे हैं. तबीयत में सुधार आने के बाद अब पवनदीप सोशल मीडिया पर भी एक्टिव हो गए हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें वो अपने स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए दिख रहे थे. साथ ही उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है, जिसमें वो अस्पताल में अपने बेड पर बैठकर गाना गाते नजर आ रहे हैं. उनका ये अंदाज देख उनके फैंस भी बेहद खुश हैं.

पवनदीप की टीम भी सिंगर के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी हेल्थ अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती है. उनकी टीम ने ही बताया था कि एक्सीडेंट के बाद डॉक्टर ने बताया था कि पवनदीप के शरीर में कई जगह फ्रैक्चर है, जिसके लिए उनके कई ऑपरेशन होंगे. अब भी पवनदीप उसी अस्पताल में हैं, जहां उनका इलाज हो रहा है. पवनदीप राजन के इंस्टाग्राम स्टोरी से ये साफ जाहिर होता है कि अब उनकी हेल्थ पहले से काफी बेहतर है. अस्पताल के स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए स्टोरी पोस्ट कर पवनदीप ने लिखा है कि 'रिकवरी मोड ऑन. आपके आशीर्वाद के लिए शुक्रिया.'

होश आते ही ऊंचे सुर में गाने लगे पवनदीप

अस्पताल से वायरल हुए पवनदीप के लेटेस्ट वीडियो में वो 'जो भेजी थी दुआ' गाने का रियाज करते हुए नजर आ रहे हैं. दरअसल ऐसी हालत में उन्हें ऊंचे स्वर लगाने में तकलीफ हो रही है.

लेकिन फिर भी उन्होंने अपना रियाज शुरू रखा है. दरअसल, इंडियन आइडल विनर पवनदीप का 5 मई 2025 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पास कार एक्सीडेंट हुआ था. उनकी कार सड़क पर खड़े कैंटर ट्रक से भिड़ गई थी. हादसे में गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई. इस एक्सीडेंट में पवनदीप के अलावा दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

शाहरुख खान ने अपने बच्चों से क्या सीखा? एक्टर ने सबके सामने बताई थी फैमिली की ये खास बात

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने करियर में वो मुकाम हासिल किया है, जिसे हासिल करने का सपना हर एक नया कलाकार देखता है. शाहरुख का नाम आज देश दुनिया में है. लेकिन ये कामयाबी उन्हें रातों-रात या थाली में परोस कर नहीं मिली है, बल्कि इसके लिए जी तोड़ मेहनत और काम के प्रति समर्पण रहा है.शाहरुख खान के अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया है. शाहरुख के कई फैंस ने अभिनेता से काफी कुछ सीखा भी है. वहीं शाहरुख के बच्चों को भी पिता से कई बार खास सलाह और सीख मिली है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि शाहरुख ने भी अपने बच्चों से कुछ सीखा है. ये खुलासा खुद एक्टर एक बातचीत के दौरान कर चुके हैं.

शाहरुख ने अपने बच्चों से क्या सीखा ?

शाहरुख का अपने तीनों ही बच्चों बेटी सुहाना खान और दोनों बेटों आर्यन खान और अबराम खान के साथ बेहद खास रिश्ता है. शाहरुख से कुछ समय पहले एक बातचीत के दौरान एक एक शख्स ने सवाल किया था कि आप ऐसी कौन सी चीज है जो अपने काम में इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपको अपने परिवार से सीखने को मिली है ? और वो कौन सी चीज है जो आपको ज्यादा से ज्यादा मोटिवेट करती है ?

अभिनेता ने इसके जवाब में अपने तीनों बच्चों को लेकर बात की थी. उन्होंने तीनों की एक-एक समस्या के बारे में बताते हुए कहा था कि उन्होंने फैमिली से धैर्य रखना सीखा है. शाहरुख ने कहा था, जितने बच्चे होते है उतना धैर्य आदमी में बढ़ता है. तो अभिनेताने अपनी पत्नी गौरी खान और बच्चों से लाइफ में धैर्य रखने का गुण सीखा है जो कि जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सबसे अहम साबित होता है.

1991 में हुई थी गौरी-शाहरुख की शादी

शाहरुख ने खुद से पांच साल छोटी गौरी खान से लव मैरिज की थी. दोनों की शादी साल 1992 में हुई थी. इसके बाद कपल ने बेटे आर्यन खान का वेलकम किया था. 1997 में आर्यन के जन्म के बाद बेटी सुहाना का जन्म 22 मई 2000 को हुआ था. दो बच्चों के बाद भी शाहरुख-गौरी ने एक और बच्चे की प्लानिंग की. शाहरुख जब 47 साल के थे और गौरी 42 साल की थीं तब दोनों ने सरोगेसी के जरिए साल 2013 में छोटे बेटे अबराम का स्वागत किया था.